हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

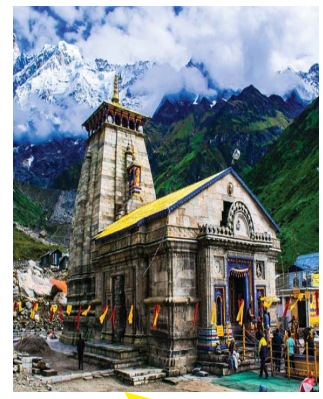

वर्ष:5 अंक:15 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, सोमवार, 19 जनवरी 2026

माताजी का जीवन त्याग, तप और साधना की अनुपम गाथा: पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार कनखल स्थित बैरागी द्वीप पर अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज के तत्वावधान में आयोजित गायत्री परिवार की संस्थापिका वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी व अखण्ड दीपक के शताब्दी समारोह का शुभारंभ ध्वज वंदन के साथ श्रद्धामय वातावरण में हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह शताब्दी समारोह माताजी के तपस्वी जीवन, निःस्वार्थ सेवा और अखंड साधना के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का साक्षात भावात्मक अभिव्यक्ति है। माताजी का संपूर्ण जीवन त्याग, बलिदान और साधना की वह ज्योति है, जिसने असंख्य जीवनों को सही दिशा और नई दृष्टि दी। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार को किसी एक संगठन की सीमाओं में नहीं बाँधा जा सकता, यह उस युग चेतना का वह प्रवाह है, जो व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र के उत्थान की ओर अग्रसर करता है। मुख्यमंत्री ने देवभूमि उत्तराखण्ड की आध्यात्मिक चेतना का स्मरण करते हुए कहा कि गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ और आदि कैलाश जैसे तीर्थस्थल भारत की आत्मा की धड़कन हैं। ऐसे पावन परिवेश में आयोजित यह शताब्दी समारोह भारतीय संस्कृति, संस्कार और साधना परंपरा के नवजागरण का संदेश देता है।

सेवा, साधना और संस्कार का संगम: शेखावत

इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सेवा, साधना और संस्कार के त्रिवेणी संगम यह शताब्दी समारोह नवयुग का निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। विश्व की महान सभ्यताओं का निर्माण सामूहिक चरित्र निर्माण के माध्यम से ही संभव हुआ है। जब समाज के व्यक्ति नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सेवा भाव को अपने जीवन का आधार बनाते हैं, तभी सशक्त संस्कृति और स्थायी सभ्यता का निर्माण होता है। जनशताब्दी समारोह इसी सामूहिक चेतना को जाग्रत करने का एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

स्वयं के बदलने से होती है राष्ट्र की नींव मजबूत: डॉ चिन्मय

शताब्दी समारोह के दलनायक एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि यह समारोह किसी वैराग्यपूर्ण एकांत तपोभूमि का आयोजन नहीं है, बल्कि यह युगऋषि पूज्य आचार्यश्री का 'खोया-पाया विभाग' है, जहाँ व्यक्ति स्वयं को और अपने दायित्व को पुनः खोजता है। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य किसी के द्वार पर खड़ा होकर प्रतीक्षा नहीं कर रहा, वरन् यह आयोजन स्वयं आपके सौभाग्य का द्वार खोलने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने समाज परिवर्तन का संदेश देते हुए कहा कि 'गंगा की कसम, यमुना की कसम, यह ताना-बाना बदलेगा। कुछ हम बदलें, कुछ तुम बदलो, तभी यह ज़माना बदलेगा।' उन्होंने जनसमूह से आत्मपरिवर्तन को ही सामाजिक परिवर्तन की प्रथम शर्त बताते हुए कहा कि जब व्यक्ति स्वयं बदलने का साहस करता है, तभी राष्ट्र और समाज के नवनिर्माण की नींव सशक्त होती है। शताब्दी समारोह का उद्देश्य भी इसी चेतना को जाग्रत करना है, ताकि विचार, आचरण और कर्म के स्तर पर सकारात्मक बदलाव संभव हो सके।

हमारा देश बनेगा विश्व गुरू: सतपाल

शताब्दी समारोह के अवसर पर पर्यटन मंत्री स्वामी सतपाल महाराज ने कहा?कि आज भारत देश जिस तरह से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है उससे एक दिन हमारा देश विश्व गुरू बनेगा।

कहा?कि युवाओं को अपने अंदर राष्ट्र भावना जाग्रत करनी होगी। दर्जाधारी राज्य मंत्री विनय रुहेला, सुदर्शन न्यूज के प्रबंध निदेशक सुरेश चव्हाण, ईडी के पूर्व निदेशक राजेश्वर सिंह सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने विशिष्ट अतिथियों सहित न्यायाधीश परविन्दर सिंह, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, स्वामी सम्पूर्णानंद जी, स्वामी वेलु बापू जी,के नारायण राव,रमेश भट्ट,दिनेश काण्डपाल, आचार्य डॉ दयाशंकर विद्यालंकार, आदि को शांतिकुंज का प्रतीक चिह्न, गंगाजली, रुद्राक्ष की माला तथा युग साहित्य आदि भेंट कर सम्मानित किया गया।

डीएम मयूर दीक्षित ने सीएम को भेंट की पुस्तक

जनपद आगमन पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने हेलीपैड पर मुख्यमंत्री को पुस्तक भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। शताब्दी समारोह कार्यक्रम में विधायक हरिद्वार मदन कौशिक, दर्जाधारी श्यामवीर सैनी, देशराज कर्णवाल, मंत्री शोभाराम प्रजापति, जिला अध्यक्ष भाजपा आशुतोष शर्मा, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, उपाध्यक्ष भाजपा लव शर्मा, श्रीगंगा सभा अध्यक्ष नितिन गौतम, मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र सहित अमेरिका, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका आदि देशों तथा भारत के कोने कोने से आए हजारों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

दिल्ली में घना कोहरा और ठंड का कहर: सफदरजंग में शून्य दृश्यता और न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सफदरजंग में रविवार सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य हो गई, जबकि पालम में यह 100 मीटर दर्ज की गयी। मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली के कुछ हिस्सों में शीतलहर जारी है और कई केंद्रों में न्यूनतम तापमान कम दर्ज किया गया है। विभाग के आंकड़ों के अनुसार रविवार सुबह सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस, पालम में न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस और आया नगर में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने कहा कि दिल्ली के कई हिस्सों में बहुत घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है और ऐसी स्थिति सुबह और रात के घंटों के दौरान जारी रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने मौजूदा स्थिति के मद्देनजर लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने के आसार हैं। इसके बाद अगले छह दिनों में तापमान धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने का अनुमान है। वहीं 21 और 22 जनवरी को सामान्य से नीचे और 19, 20 और 23 जनवरी को सामान्य से ऊपर रहेगा। अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने के आसार हैं जिसके बाद यह सामान्य हो जाएगा। विभाग ने बताया है कि अगले सप्ताह के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में शीतलहर की संभावना नहीं है। मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ 18 जनवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करता रहेगा, जबकि 19 और 21 जनवरी, 2026 को उत्तर-पश्चिम भारत में दो और विक्षोभ आने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार से पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।

हरिद्वार-लक्सर मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत, चार घायल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार लक्सर मार्ग पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गयी। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा एक अनियंत्रित कार और ई-रिक्शा के बीच हुई भीषण टक्कर से हुआ। जानकारी के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और पलट कर सड़क के नीचे खाई में जा गिरी। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान विकास कुमार, निवासी फेरूपुर कार चालक, चरण सिंह निवासी कलियर रुड़की व आस मुहम्मद, निवासी नसीरपुर खुर्द, लक्सर रिक्शा चालक के रूप में हुई है। वहीं हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों के नाम नीरज उम्र 30 वर्ष निवासी नजीबाबाद यूपी, रणजीत उम्र 25 वर्ष निवासी मोतिहारी बिहार, दिव्यांशू उम्र 17 वर्ष निवासी ग्राम पदार्था हरिद्वार, नैंसी उम्र 15 वर्ष निवासी ग्राम पदार्था हरिद्वार बताए गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए एसआर मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने बताया कि टक्कर के बाद कार सवारों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक दृष्टि में तेज रफ्तार दुर्घटना का कारण लग रही है।

मौनी अमावस्या पर धर्मनगरी में दिखा आस्था का महासंगम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर धर्मनगरी हरिद्वार में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार की सुबह कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिखी। तड़के ब्रह्म मुहूर्त से ही हर की पौड़ी सहित विभिन्न घाटों पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालु पहुंचे ।श्रद्धालुओं ने गंगा में पुण्य स्नान कर दान-पुण्य किया और पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया।

इस दौरान हर की पौड़ी का ब्रह्मकुंड 'हर-हर गंगे' के जयकारों से गूंज उठा और घाटों पर श्रद्धा भक्ति और अनुशासन का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। स्नान पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम करते हुए घाटों, मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त फोर्स तैनात की। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी की गई, वहीं यातायात को सुचारू रखने के लिए विशेष प्लान लागू किया गया। मौनी अमावस्या पर दान, मौन और तर्पण का विशेष महत्व है। हरिद्वार हर कि पौडी क्षेत्र में धार्मिक आस्था और सेवा भाव का वातावरण बना रहा। पंडित मनोज त्रिपाठी ने बताया कि मौनी अमावस्या पर स्नान और दान का विशेष महत्व है। आज के दिन यदि मनुष्य अपने आसपास की किसी भी पवित्र नदी में स्नान करें तो उसे कुंभ स्नान के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। हरिद्वार में मौनी अमावस्या पर कड़ाके की ठंड के बावजूद आस्था में कमी देखने को नहीं मिली। श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान कराकर गंतव्य की ओर रवाना करने को लेकर पुलिस और प्रशासन ने सुगम प्रबंध किये हुए थे। जाम से निपटने के लिए सभी प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस कर्मी तैनात किये गए थे। हाइवे पर भी यातायात को सुगम बनाए रखा गया। मौनी अमावस्या पर बीडीएस टीम हर क्षेत्र में चेकिंग करती रही। भीड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी की गई।

एक नजर

हरिद्वार-लक्सर रोड चौड़ीकरण का इंतजार, संकरी सड़क बन रही मौत का जंजाल

पथ प्रवाह, हरिद्वार। दीपक चौहान। हरिद्वार-लक्सर मार्ग का चौड़ीकरण लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग बनी हुई है, लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस कदम न उठाए जाने से यह सड़क आमजन के लिए मौत का जंजाल बनती जा रही है। अत्यधिक संकरी सड़क और लगातार बढ़ते यातायात के दबाव के चलते यहां आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें अब तक कई दर्जन लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हरिद्वार और लक्सर को जोड़ने वाला यह मार्ग औद्योगिक, धार्मिक और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। कुंभ, कांवड़ मेला, चारधाम यात्रा और दैनिक आवागमन के दौरान भारी वाहनों, बसों, ट्रैक्टरों और दोपहिया वाहनों का दबाव इस सड़क पर लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद सड़क की चौड़ाई वर्षों से जस की तस बनी हुई है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। क्षेत्रीय जनता का आरोप है कि सरकार इस गंभीर समस्या पर कुंभकर्णी नींद में सोई हुई है। दुर्घटनाओं के बाद केवल औपचारिक बयान और आश्वासन दिए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्यवाही नजर नहीं आती। कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए, परंतु फोरलेन सड़क की मांग अब तक फाइलों में ही दबी हुई है। स्थानीय व्यापारियों और ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क का चौड़ीकरण नहीं किया गया तो भविष्य में हालात और भयावह हो सकते हैं। जनता ने सरकार से मांग की है कि हरिद्वार-लक्सर रोड को शीघ्र फोरलेन किया जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगे और लोगों की जान बचाई जा सके।

अभियान चलाकर स्वच्छ किये गंगा के घाट, साफ नजर आयी धर्मनगरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित स्वयं पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं। सफाई अभियान शहर से लेकर गांव कस्बों तक किया जा रहा है, जिसका असर अब धरातल पर दिखने लगा है।

जनपद को साफ स्वच्छ बनाने की दिशा में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने विभागवार रोस्टर भी तैयार किया है। जिसके तहत 31 जनवरी तक जनपद में महा स्वच्छता अभियान पखवाड़ा चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है कि स्वच्छता अभियान में जो जिम्मेदारी एवं दायित्व जिस अधिकारी को सौंपी गई है वह अपने दायित्वों का निर्वहन संवेदनशीलता के साथ करेंगे, जिससे कि तीर्थनगरी को साफ स्वच्छ,सुंदर जनपद बनाया जा सके। रविवार को प्रबंधन भारत स्काउट गाइड मनोज सिरोही ने अवगत कराया है कि भारत स्काउट गाइड द्वारा आज हरकी पैड़ी नाई घाट क्षेत्रांतर्गत सफाई अभियान चलाया गया। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद में निरन्तर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सफाई अभियान के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित किए गए कुंडे को काम्पेटर सेक्टर में पहुंचाया गया जहां एकत्रित कुंडे की छंटनी करते हुए प्लास्टिक पन्नियों को अलग किया गया जो लगभग 29 कुंतल प्लास्टिक अपशिष्टो का निस्तारण किया गया जिससे 29000 हजार की आय अर्जित की गई। खण्ड विकास अधिकारी रूड़की ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायत खाता खेड़ी सोमलपुर गाड़ा रुड़की क्षेत्रांतर्गत में साफ़ सफाई का कार्य किया गया।

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदलने की अफवाह, सीएम साहब को आती हंसी

पथ प्रवाह, हरिद्वार

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदलने वाला है। अब ये नए मुख्यमंत्री होंगे। इनका नाम रेस में सबसे आगे है। ऐसा सपना उत्तराखंड में हर तीसरे महीने हर दूसरे व्यक्ति को आ रहा है। इस बार तो यह बात किसी बाबा ने कही है। उन्होंने तो बाकायदा सीएम के नाम का ऐलान करते हुए डॉ धन सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाए जाने की घोषणा तक कर दी। जिसके बाद से सोशल मीडिया में उनका बयान जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है। लोग उनकी वीडियो को देखकर आनंद ले रहे है।

मानो देश के सबसे ताकतवर और लो?कप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उनको ऐसा बोलने के लिए कहा हो। उत्तराखंड में युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी है। साल 2021 में पहली बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे। करीब सात महीने के कार्यकाल में उन्होंने भाजपा को साल 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड जीत दिलाई। हालांकि खुद पुष्कर सिंह धामी खटीमा से अपना चुनाव हार गए। लेकिन भाजपा हाईकमान के आशीर्वाद को जीतने में कामयाब रहे और दूसरी बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज होने में सफल रहे।

साल 2022 से साल 2026 तक करीब चार सालों में एक दर्जन बार मुख्यमंत्री बदलने की अफवाह उड़ाई गई। सोशल मीडिया पर सीएम बदलने की अटकले तेज हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का दिल्ली जाना और उत्तराखंड में नया सीएम बनाने की हवा बहने लगती है।

एक कार्यक्रम के दौरान तो खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यह कहने को विवश हुए उत्तराखंड में सीएम बदलने की खबरे उड़ती है तो उनको अब हंसी आती है।

अब बात करते है उत्तराखंड के विकास की तो धाकड़ धामी के कार्यकाल में जबरदस्त विकास कार्य हुए। पहाड़ से लेकर तराई तक जनहित के कार्यो को प्राथमिकता दी गई।

साल 2026 में जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार कार्यक्रम ने जबरदस्त लोकप्रियता कायम की। सूचना विभाग ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में व्यापक प्रचार–प्रसार किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही जनप्रतिनिधियों के जनहित के कार्यो में संजीदगी दिखाई। सूचना विभाग ने भी दिल खोलकर अखबारों, पत्रिकाओं और टीवी चैनल को विज्ञापन दिए।

केंद्र सरकार की ओर से उत्तराखंड के विकास कार्यो को लेकर खूब प्रशंसा मिल रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की लोकप्रियता से आहत दुखी आत्माएं उनको बदलने के सपने नही देखेंगे तो क्या करेंगे। सपनों पर किसी का रोक नही लेकिन जुबां खोलने से पहले सच्चाई तो आंखों से देख लेनी चाहिए। जिस प्रदेश में गंगा बह रही है। जिस गंगा की सौंगध पर सच्चाई को पुख्ता किया जाता है।

उस प्रदेश में मुख्यमंत्री बदलने का झूठ फैलाने वालों पर सीएम साहब को हंसी नही आयेगी तो कौन हंसेगा।

उत्तराखंड में विकास कार्य जमकर बोल रहे है। धाकड़ धामी सत्ता की पिच पर जबरदस्त बैटिंग कर रहे है। जनता के प्रति संजीदा है। स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार व्यवस्थाओं में सुधार हो रहा है। पलायन रोकने की दिशा में सकारात्मक कार्य किए जा रहे है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में साल 2027 के विधानसभा चुनाव होंगे और भाजपा तीसरी बार हैट्रिक लगाने में सफल होगी। विपक्ष को अपने संगठनात्मक स्थिति को बेहतर बनाना पड़ेगा। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस उत्तराखंड में चुनाव के लिए मजबूत प्रत्याशियों की तलाश जारी रखे। ताकि साल 2027 का विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ सके।

ब्रह्मलीन हुए जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुनपुरी जी महाराज

तुलसी मानस मंदिर के संस्थापक के निधन से हरिद्वार सहित देशभर में शोक की लहर

पथ प्रवाह, हरिद्वार

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर एवं तुलसी मानस मंदिर, हरिद्वार के संस्थापक स्वामी अर्जुनपुरी जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर धर्मनगरी हरिद्वार सहित संपूर्ण देश में शोक की लहर दौड़ गई। आध्यात्मिक जगत ने एक ऐसे संत को खो दिया है, जिनका जीवन श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों में रमा हुआ था।

मातृ सदन के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी शिवानंद जी महाराज ने कहा कि स्वामी अर्जुनपुरी जी महाराज न केवल एक महान संत थे, बल्कि श्रीरामचरितमानस के अप्रतिम विद्वान और ओजस्वी वक्ता भी थे। उनके मुख से निकले मानस-पाठ और प्रवचन श्रोताओं के हृदय को सहज ही छू जाते थे। सरल जीवन, भूमि से जुड़े विचार और समाज को जोड़ने वाले उनके सिद्धांतों ने उन्हें जन-जन का संत बना दिया। उनके ब्रह्मलीन होने से हरिद्वार ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत ने एक अपूरणीय आध्यात्मिक क्षति झेली है।

स्वामी जी भले ही आज भौतिक जगत से विदा हो गए हों, किंतु उनके द्वारा किया गया मानस-पाठ, उनके प्रवचन और उनके विचार सदैव श्रद्धालुओं की स्मृतियों में जीवित रहेंगे। उनके शिष्य और अनुयायी उनकी आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प ले रहे हैं। स्वामी शिवानंद जी महाराज ने तुलसी मानस मंदिर पहुँचकर ब्रह्मलीन स्वामी श्री अर्जुनपुरी जी महाराज को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्वामी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी दिव्य स्मृति को नमन किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि धर्म, भक्ति और मानस-सेवा के क्षेत्र में स्वामी अर्जुनपुरी जी महाराज का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके श्रीचरणों में श्रद्धालुओं की कोटि-कोटि नमन।

मकर संक्रांति उत्सवः सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता का जीवंत संदेश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

विश्व हिंदू परिषद के सेवा विभाग द्वारा विष्णु लोक कॉलोनी में आयोजित मकर संक्रांति उत्सव ने समाज में सेवा, संस्कार और समरसता की सशक्त मिसाल प्रस्तुत की। यह आयोजन सहजानंद जी महाराज, महामंडलेश्वर तथा शिवम महंत जी गुरु रामदास जी महाराज के पावन सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रांत संगठन मंत्री अजय जी का ओजस्वी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिसने उपस्थित जनसमुदाय को सेवा कार्यों के प्रति प्रेरित किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन चंद्रकांता एवं बबीता ने किया। संस्कारशालाओं के समन्वय की जिम्मेदारी सुधा टोंक और मंजू नौटियाल ने निभाई। संयोजक विकास राजपूत ने सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया, जबकि सर्वव्यवस्था प्रमुख

सुनील पांडे जी ने अपनी टीम–संजय कश्यप, संजय पाल, संजय धनगर–के साथ उत्कृष्ट प्रबंधन प्रस्तुत किया। संस्कारशाला की आचार्य बहनों के मार्गदर्शन में बच्चों ने देशभक्ति और भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम में शिवालिक नगर से सुनिधि (शिक्षिका) सहित काजल, राधिका, डॉली, शशि वाला, जानवी को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज के लघु उद्यमियों व श्रमिक बंधुओं का सम्मान कर श्रम की गरिमा को रेखांकित किया गया। यह संदेश स्पष्ट था कि समाज का हर कर्मयोगी सम्मान का अधिकारी है। प्रांत संगठन मंत्री ने कहा कि सेवा कार्य सर्वोच्च साधना है, सेवा करने वाला व्यक्ति ईश्वर के निकट होता है। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद का सेवा कार्य छुआछूत मिटाने, भूख दूर करने और समाज को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। संस्कारशालाओं के माध्यम से बच्चों में देशभक्ति, अनुशासन और मानवीय मूल्यों का बीजारोपण किया जा रहा है–ताकि वे आगे चलकर जिम्मेदार नागरिक बनें।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष बलराम कपूर, जिला मंत्री जितेंद्र तोमर, सह जिला मंत्री दीपक तालियान, विभाग संगठन मंत्री अर्जुन, बजरंग दल से अमित मुल्तानिया, दिग्विजय सिंह, हिमांशु विद्यार्थी, अरुण गुप्ता, रवि जोशी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता, संस्कारशाला संचालन टोली, प्रांत व जिला स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

सिडकुल क्षेत्र में गुम हुआ बच्चा पुलिस ने किया सकुशल बरामद

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सिडकुल क्षेत्र में बच्चा गुम हो जाने की सूचना मिलते ही पूरे मोहल्ले में चिंता का माहौल बन गया। बच्चे के माता-पिता दोनों मेहनत-मजदूरी कर रोज़ी-रोटी कमाते हैं, ऐसे में बेटे के अचानक लापता हो जाने से वे अत्यंत व्यथित हो गए थे। बच्चा लापता होने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों के साथ-साथ सिडकुल पुलिस तत्काल हरकत में आई। बच्चे की तलाश के लिए मोहल्ले से लेकर आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सर्च अभियान चलाया गया। पुलिस द्वारा लगभग 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की गहनता से जांच की गई, जिसके परिणामस्वरूप बच्चे की लोकेशन ट्रेस की जा सकी। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने बच्चे को सकुशल बरामद कर उसके माता-पिता के सुपुर्द किया, जिससे परिवार सहित पूरे मोहल्ले ने राहत की सांस ली। इस मानवीय और तत्पर कार्रवाई को लेकर हरिद्वार पुलिस की कार्यशैली की आमजन द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई, वहीं माता-पिता ने पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त किया।

ज्वालापुर पुलिस ने अवैध गांजे के साथ तस्कर किया गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जनपद हरिद्वार में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने के क्रम में प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली ज्वालापुर ने क्षेत्र में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस के मुताबिक चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा आरोपी आकाश उर्फ पतोडी पुत्र लालू, निवासी रावली महदूद, निकट सम्राट मार्केट, थाना सिडकुल, जनपद हरिद्वार को भगत सिंह चौक से पहले शौचालय के पास से हिरासत में लिया गया। उसके पास से तलाशी में 3.070 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा और 600 रुपये नगद बरामद किए गए। कोतवाली ज्वालापुर पर मु0अ0सं0 55/2026एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई। अभियुक्त का आपराधिक इतिहास खंगालने पर ज्ञात हुआ कि वह पूर्व में भी अवैध गांजे की बिक्री एवं चोरी के मामलों में थाना सिडकुल से जेल जा चुका है।

सामाजिक समरसता का पर्व है मकर संक्रतिः पदमजी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर–2 के प्रांगण में मकर संक्रांति उत्सव मनाया गया। राष्ट्र सेविका समिति हरिद्वार ने यह उत्सव समाज के सभी वर्गों के साथ सामाजिक समरसता के रूप में मनाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री संतोष यादव ने की, मुख्य वक्ता पदमजी, प्रचार प्रमुख, पश्चिमी उत्तर क्षेत्र, (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में हरिद्वार नगर निगम की मेयर किरण जैसल रही। मुख्य वक्ता क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदमजी ने मकर संक्रांति को समिति एवं संघ क्यों सामाजिक समरसता के रूप में मनाते हैं एवं किस प्रकार पंच परिवर्तनों को व्यक्ति अपने जीवन में धारण कर समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका द्वारा किस प्रकार से सहयोग कर सकता है इस विषय को रखा। पद्मश्री संतोष यादव ने अपनी सरल स्निग्ध छवि एवं स्नेहिल वाणी से सभी को अभिभूत कर दिया। उन्होंने संघ और राष्ट्र सेविका समिति के राष्ट्र

के प्रति निःस्वार्थ और समर्पित भाव की प्रशंसा करते हुए और मितव्ययिता पूर्ण जीवन से होने वाले लाभ और उसके कारण उत्पन्न करुणा के भाव पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन नगर सह कार्यवाहिका डॉक्टर प्रियंका ने किया। समिति की तरफ से मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं पौधा देकर स्वागत किया गया। नगर कार्यवाहिका दीप्ति जी ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में प्रांत व्यवस्था प्रमुख रेखा, विभाग कार्यवाहिका वंदना, जिला कार्यवाहिका ममता, जिला बौधिक प्रमुख नीरज, नगर बौद्धिक प्रमुख तनुजा, प्रगति, नगर शारीरिक प्रमुख नीलम, प्रबुद्ध महिला गट मीमांसा की बहनें, तरुणी विभाग (प्राची), सेवा विभाग (बबीता), कीर्तन मंडली, गतिविधि विभाग (शशि), सुचेता, नताशा, श्वेता, रश्मि आदि बहनें व संघ के भाई बंधु उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार डंफर ने बाइक सवार दंपत्ति को मारी टक्कर, बच्चे की मौत

गुस्साए ग्रामीणों ने किया हंगामा, डंफर चालक को पीटा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

लक्सर-पुरकाजी हाईवे पर जेके टायर कंपनी के पास एक तेज रफ्तार डंफर ने बाइक सवार दंपत्ति को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पति पत्नी घायल हो गए जबकि उनके तीन साल के बच्चे की कुचलने से मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने डंफर चालक को पकड़ कर पीट दिया। मौके पर जमकर हंगामा हुआ, ग्रामीणों ने इस मार्ग पर भारी वाहनों को रोकने की मांग की। जानकारी के अनुसार कुलदीप अपनी पत्नी रीना और तीन वर्षीय पुत्र के साथ मोटरसाइकिल पर लक्सर से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे जेके टायर कंपनी से आगे हनुमान मंदिर के पास पहुंचे, सामने से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। इस हादसे में घायल बच्चे की मौत हो गई।

हादसे में घायल पति पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने डंपर चालक को घेरकर पकड़ा। इस दौरान शेखपुरी गांव के पास हाईवे जाम कर जमकर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक को अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया लेकिन भीड़ नहीं मानी। किसी तरह पुलिस ने चालक को भीड़ से छुड़काकर अपने कब्जे में लिया और उसे पुलिस वाहन से थाने भेजा गया। मौके पर तनाव की स्थिति को देखते हुए कई थानों की पुलिस

फोर्स मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों ने डंफर मालिक पर कठोर कार्रवाई व भारी वाहनों पर रोक की मांग। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लक्सर क्षेत्र में खनन सामग्री ढोहने वाले भारी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। हादसों में लोगों की जान जा रही है। थाना पुलिस का कहना है कि बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कार्रवाई की जाएगी। डंपर चालक को पुलिस ने अपनी हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

किरायेदारों का सत्यापन न कराने पर 12 मकान मालिकों का चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सत्यापन अभियान के दौरान कोतवाली गंगनहर पुलिस ने रविवार को घर घर जाकर सत्यापन किया। इस दौरान मजदूर, रेड़ी, ठेली वालों के अलावा किरायेदारों का सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान सत्यापन न कराने वाले 12 मकान मालिकों के खिलाफ पुलिस अधिनियम में कार्यवाही करते हुए 1 लाख 20 हजार के चालान किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में चलाए जा रहे सत्यापन अभियान के तहत कोतवाली गंगनहर ने 5 सत्यापन टीमों का गठन कर थाना क्षेत्र में सरिया फेक्ट्री व किराये पर रहने वालों, नौकर आदि का सत्यापन कराया। मजदूरी का काम करने वाले मजदूरों /श्रमिकों का सत्यापन किया गया। साथ ही होटल ढाबों पर काम करने वाले और फड़ रेहड़ी चलाने वालों का भी सत्यापन किया

गया। सत्यापन अभियान के दौरान 112 बाहरी लोगों का सत्यापन किया गया तथा ठेकेदारों का सत्यापन निर्धारित समय में सत्यापन करने की हिदायत दी गई। मकान मालिकों द्वारा सत्यापन नहीं कराने पर 12 मकान मालिकों के खिलाफ पुलिस अधिनियम में कार्यवाही करते हुए 1 लाख 20 हजार के चालान किए गए। हरिद्वार पुलिस का सत्यापन अभियान लगातार जारी है।

संपादकीय

कम प्रीमियम, बड़ी सुरक्षा: सरकार की जीवन रेखा

देश में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनकी पूरी आर्थिक जिम्मेदारी एक ही कमाने वाले व्यक्ति के कंधों पर होती है। रोज़गार, कारोबार या नौकरी करते हुए वह व्यक्ति परिवार के भविष्य को बेहतर बनाने के सपने देखता है, लेकिन अक्सर सुरक्षा की तैयारी करना भूल जाता है। जीवन की अनिश्चितताओं–दुर्घटना, बीमारी या अकाल मृत्यु–के सामने सबसे असुरक्षित वही परिवार होता है, जिसके पास कोई आर्थिक कवच नहीं होता।

इसी सच्चाई को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएँ शुरू कीं। इन योजनाओं की सबसे बड़ी खासियत यह है कि बेहद कम प्रीमियम में यह आम परिवार को मजबूत आर्थिक सहारा प्रदान करती हैं। यह योजनाएँ यह साबित करती हैं कि बीमा केवल अमीरों की जरूरत नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत मात्र 20 के वार्षिक प्रीमियम पर दुर्घटना में मृत्यु होने की स्थिति में 2 लाख का बीमा कवर दिया जाता है। इतनी कम राशि में मिलने वाली यह सुरक्षा उन लोगों के लिए वरदान है, जो रोज़ कमाते हैं और रोज़ खर्च करते हैं। सड़क दुर्घटना, कार्यस्थल पर हादसा या किसी अन्य आकस्मिक घटना के बाद यह राशि परिवार के लिए तत्काल राहत बनती है।

वहीं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सामान्य मृत्यु की स्थिति में परिवार को 2 लाख की आर्थिक सुरक्षा देती है, जिसके लिए सालाना प्रीमियम मात्र 436 निर्धारित है। यह योजना विशेष रूप से उन परिवारों के लिए अहम है, जहाँ कोई गंभीर बीमारी या अचानक स्वास्थ्य संकट पूरे घर की अर्थव्यवस्था को डगमगा सकता है। दावा प्रक्रिया सरल होने के कारण बीमा राशि समय पर परिवार तक पहुँचती है।

इन दोनों योजनाओं की सबसे बड़ी ताकत उनकी सरलता है। न कोई मेडिकल जांच, न एजेंट का दबाव और न ही जटिल कागजी प्रक्रिया। बैंक खाते से सीधी कटौती के माध्यम से यह योजनाएँ आम आदमी को बीमा की मुख्यधारा से जोड़ती हैं। यही कारण है कि इन्हें सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक मजबूत कदम माना जाता है।

आज आवश्यकता है कि बीमा को बोझ नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखा जाए। छोटी-सी राशि से मिलने वाली यह सुरक्षा संकट के समय परिवार को आत्मनिर्भर बनाए रखती है। सरकार की ये योजनाएँ तभी सफल होंगी, जब हर कमाने वाला व्यक्ति स्वयं जुड़े और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे। क्योंकि जीवन भले ही अनिश्चित हो, लेकिन परिवार का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है।

परीक्षा का बुखार: हर कोई 'जिंडी' को लेकर चिंतित!

देवेंद्र कुमार बुडाकोटी

जनवरी आते ही कक्षा दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के नज़दीक आते ही पूरा देश मानो परीक्षा-बुखार की चपेट में आ जाता है। वर्षों से फरवरी और मार्च भय, चिंता और भावनात्मक तनाव के चरम महीने बन गए हैं–और यह तनाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवारों और पूरे समाज को अपनी गिरफ्त में ले लेता है।

हर कोई जिंडी को लेकर चिंतित है, जो इस वर्ष कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा दे रहा है। उसकी माँ, बड़ा भाई, दादी, ताऊजी, ताईजी, उनके बच्चे और यहाँ तक कि उनके जीवनसाथी भी पूरी तरह सतर्क हैं। यह सामूहिक चिंता भारतीय संयुक्त परिवार व्यवस्था की उस निकटता को दर्शाती है, जहाँ किसी एक व्यक्ति की शैक्षणिक यात्रा पूरे परिवार की साझा ज़िम्मेदारी बन जाती है। ज़िंदी के आसपास के लोग लगातार उसकी पढ़ाई की समय-सारिणी, पुनरावृत्ति की योजना और यह कि उसने परीक्षा के लिए कितना याद कर लिया है–इन्हीं विषयों पर चर्चा करते रहते हैं।

यह चिंता केवल कमजोर छात्रों तक सीमित नहीं है। मेधावी और बुद्धिमान छात्र–और उनके माता-पिता–भी इस बुखार से अछूते नहीं हैं। 'परीक्षा वायरस' सर्वव्यापी है। निकट परिवार और रिश्तेदारों से आगे बढ़कर पड़ोसी तक इससे संक्रमित हो जाते हैं। कई वयस्कों के लिए यह समय उनकी अपनी परीक्षा-संबंधी पीड़ादायक स्मृतियों को फिर से जीवित कर देता है। जाने-अनजाने हममें से अनेक लोग इस अधूरे तनाव को आज भी ढोते रहते हैं, जो हमारी मानसिक सेहत पर असर डालता है और यह भी तय करता है कि आज हम बच्चों पर पड़ने वाले ऐसे दबावों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। भारत में शिक्षा नीति में कई सुधार हुए हैं, जिनमें नवीनतम सुधार व्यापक और महत्वाकांक्षी है। फिर भी, इन सुधारों के बावजूद शिक्षा व्यवस्था अब भी मुख्यतः परीक्षा-केंद्रित बनी हुई है। दशकों से स्कूली शिक्षा परीक्षाओं, रैंकिंग और सफलता की एक संकीर्ण परिभाषा के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यह व्यवस्था रटंत विद्या और पाठ्यपुस्तकों व उत्तरों की यांत्रिक याददाश्त को बढ़ावा देती है, जबकि आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र विकास की उपेक्षा करती है। हालाँकि नई शिक्षा नीति व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर ज़ोर देती है, लेकिन ये विचार अभी तक विद्यालयी पाठ्यक्रमों और व्यावहारिक प्रशिक्षण ढाँचों में ठोस रूप नहीं ले पाए हैं। नृत्य, नाटक, रंगमंच, संगीत, कला और खेल जैसी गतिविधियाँ आज भी गैर-शैक्षणिक या सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के रूप में देखी जाती हैं–जिन्हें मानसिक और बौद्धिक विकास में सार्थक योगदान देने के बजाय केवल मनोरंजन माना जाता है। दुर्भाग्य से, नई पीढ़ी के माता-पिता भी तेजी से शिक्षा की इसी सीमित समझ को अपनाते जा रहे हैं।

कुछ दशक पहले ट्यूशन कक्षाएँ मुख्यतः कमजोर प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए होती थीं। आज ट्यूशन और कोचिंग सामान्य चलन बन चुकी हैं, जिनका उद्देश्य केवल अधिकतम अंक और ग्रेड हासिल करना है। छात्रों को एक के बाद एक परीक्षाओं का सामना करना पड़ता है–पहले स्कूल में और फिर प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के लिए। राहत की कोई गुंजाइश नहीं रहती। जो छुट्टियाँ ट्रेकिंग, कैंपिंग, साइक्लिंग, यात्रा या ग्रामीण इलाकों की खोज में बिताई जा सकती थीं, वे अब कोचिंग कक्षाओं और पुनरावृत्ति कार्यक्रमों में खप जाती हैं। प्रतिस्पर्धी दबावों के कारण बचपन और किशोरावस्था धीरे-धीरे केवल तैयारी का समय बनकर रह जाते हैं।

नई शिक्षा नीति के आलोक में सरकार को गुरुकुल आधारित शिक्षा और होमस्कूलिंग जैसे वैकल्पिक शिक्षण मॉडलों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करना चाहिए। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि सत्रह वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका कोई भी व्यक्ति किसी भी राज्य या केंद्रीय बोर्ड के अंतर्गत सीधे कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हो सके। छात्रों को नृत्य, नाटक, रंगमंच, संगीत, कला, खेल और व्यावसायिक पाठ्यक्रम जैसे विषय चुनने का विकल्प मिलना चाहिए, जिनका समुचित मूल्यांकन और ग्रेडिंग हो, ताकि वे सार्थक करियर मार्ग अपना सकें। यह अत्यंत चिंताजनक है कि ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए बनाई गई शिक्षा और शिक्षण-पद्धति छात्रों में भय, चिंता और अवसाद पैदा कर रही है, जो अक्सर आजीवन मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनती हैं। भारत में बढ़ते मानसिक स्वास्थ्य संकट के मूल कारणों को कौन संबोधित करेगा? नीति-निर्माताओं और निर्णयकर्ताओं को इस मुद्दे पर गंभीरता से आत्ममंथन करना चाहिए, ताकि हम ऐसे नागरिकों का निर्माण कर सकें जो बिना भय के सीखें और एक प्रगतिशील व विकसित राष्ट्र की मज़बूत नींव रखें।

मेडीकल शिक्षा से मज़ाक यानी, मरीजों की जान से खिलवाड़

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

खबर है कि इस साल नीट पीजी (पोस्ट ग्रेजुएट) में हजारों सीटें खाली रह जाने के कारण नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडीकल साइंसेज (NBEMS) ने कट ऑफ को घटाकर (माइनस)- 40 पर्सेंटाइल कर दिया है। यानी जीरो पर्सेंटाइल से भी 40 कम। इसे समझने के लिए नीट पीजी परीक्षा का मूल्यांकन समझना जरूरी है। देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक इस परीक्षा में कुल 800 अंक होते हैं जिसमें 200 मल्टीपल चॉइस प्रश्न पूछे जाते हैं। मूल्यांकन में माइनस मार्किंग भी की जाती है ताकि कोई सिर्फ अनुमान के आधार पर सवाल का जवाब चुन कर अंक हासिल करने की जुर्रत न करे। इसीलिए एक सही जवाब पर यदि 4 अंक दिए जाते हैं तो एक गलत जवाब पर 1 अंक काट लिया जाता है। एक रोचक परिस्थिति यह है कि कोई परीक्षार्थी एक भी प्रश्न का जवाब न दे तो भी उसे जीरो पर्सेंटाइल प्राप्त होना निश्चित है। दूसरे शब्दों में बिना कोई भी किताब पढ़े या बिना किसी तैयारी के कोई भी परीक्षार्थी जीरो पर्सेंटाइल हासिल कर सकता है। और कट ऑफ घटाने के नए फरमान के बाद तो कोई परीक्षार्थी सिर्फ दिल बहलाने के लिए परीक्षा दे, कंप्यूटर पर आंसर शीट में एक भी सही जवाब न दे सके और चालीस प्रश्नों के गलत जवाब दे तो भी पीजी करने की पात्रता रखता है।

इन मापदण्डों पर हमारा सिस्टम कैसे डॉक्टर तैयार करना चाहता है, यह सामान्य समझ से परे और गहरी चिन्ता का विषय है। खेदजनक तथ्य यह है कि आम जनता इस खतरनाक खेल से बिल्कुल बेखबर है। बेशुमार प्राइवेट मेडीकल कॉलेज खोलने के साथ साथ लगभग सभी राज्य सरकारें राजनीतिक शिगूफे के तौर पर हर छोटे बड़े शहर में सरकारी मेडीकल कॉलेज भी खोलते जा रही हैं। इन नए नए मेडीकल कॉलेजों में न ही वांछित इन्फ्रास्ट्रक्चर है और न ही डॉक्टर एवं स्टॉफ। मगर हर साल हजारों डॉक्टर बदस्तूर डिग्री लेकर निकल रहे हैं। अनुभवी शिक्षकों और सभी प्रकार के मरीजों के अभाव में ये छात्र अधकचरा ज्ञान प्राप्त करके भी मरीजों का उपचार करने के लिए अधिकृत हैं। इनकी गुणवत्ता संदिग्ध है और ये निश्चित तौर पर खतरे से अनभिज्ञ मरीजों की जान के लिए खतरा बनेंगे। अभी लोग भूले नहीं हैं कि इस सदी के शुरुआत में किस तरह हजारों इंजीनियरिंग कॉलेज खुले और आखिर छात्रों के अभाव में बंद भी हो गए। गुणवत्ता का हाल यह था कि बमुश्किल 17- 18 फीसदी ग्रेजुएट किसी रोजगार के काबिल थे। मगर मेडीकल कॉलेज में शिक्षा का स्तर इस तरह गिराना सीधे मरीजों की जान से खेलने के समान है।

लेकिन फ़िक्र किसे है? स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की बेलगाम महत्वाकांक्षा ने सरकारों की बुद्धि भ्रष्ट कर दी है और जमीनी हकीकत से अनजान नेता और अफसर अंधाधुंध मेडीकल कॉलेज खोलने की अनुमति देते जा रहे हैं। सरकार की मंशा के अनुरूप मेडीकल शिक्षा की नियामक संस्था राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने मेडिकल कॉलेज खोलने के पैरामीटर बहुत शिथिल कर दिए हैं लेकिन उसके बावजूद अधिकांश मेडीकल कॉलेज सारे पैरामीटर पूरे नहीं करते। मगर खुद एनएमसी की मेहरबानी है कि सबको लाइसेंस मिल जाता है और उसका नवीनीकरण भी हो जाता है।

इसी का नतीजा है कि अब देश में लगभग 800 मेडिकल कॉलेज खुल चुके हैं जिनमें [illegible] की लगभग सवा लाख और पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) की लगभग 80 हजार सीटें उपलब्ध हैं। लगभग सभी प्राइवेट मेडीकल कॉलेज राजनेताओं और रसूखदार धनाढ्यों द्वारा पोषित और संचालित हैं इसलिए सिस्टम ने सब कुछ जानते हुए भी आंखें बंद कर रखी हैं। अब अगर सीटें खाली रहती हैं तो उतने छात्रों की फीस का घाटा है और जाहिर है कि मेडीकल कॉलेज खोलने और चालू रखने में भारी लागत के चलते कोई भी मालिक घाटा सहने को तैयार नहीं है। सो लाजिमी है कि सरकार पर दबाव होना ही था कि सीटें खाली न जाएं। बहरहाल कट ऑफ की पेशकश की गई और [illegible] द्वारा फौरन समस्या का समाधान कर दिया गया।

सरकारी पक्ष यह है कि ज्यादा से ज्यादा डॉक्टर पढ़कर निकलेंगे तो स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। मगर हक़ीक़त यह है कि नाकाबिल डॉक्टर्स की फौज स्वास्थ्य सेवाओं का बंटाढार करेगी। असल समस्या ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की है जहां ये पोस्ट ग्रेजुएट डिग्रीधारी डॉक्टर जायेंगे ही नहीं। पीजी डिग्रीधारी ये सभी डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक या छोटे बड़े अस्पतालों में सेवाएं देंगे। वांछित योग्यता और उचित शिक्षा के अभाव में इनकी गुणवत्ता पर संदेह स्वाभाविक है। भारतीय संस्कृति में माना जाता है कि करत करत अभ्यास के, जड़मति होय सुजान इसीलिए शायद सरकार ने योग्यता की जरूरत खत्म करने का निर्णय लिया हो। लेकिन संदेह यह है कि अधिकांश कॉलेजों के अधूरे इन्फ्रास्ट्रक्चर में शिक्षकों के बिना अभ्यास करने वाले ये जड़मति कितना सीख पाएंगे?

आम नागरिक किसी नाम के पहले डॉक्टर की पदवी पढ़कर ही आश्वस्त हो जाता है कि उसे उचित इलाज मिलेगा। मगर वह इस तथ्य से अनजान ही रहेगा कि उक्त डॉक्टर को नीट पीजी में माइनस 40 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त हुए थे। हो सकता है भविष्य में डॉक्टर के साइन बोर्ड पर डिग्री के साथ नीट पीजी के अंक प्रदर्शित करने की मांग उठे ताकि मरीज उसकी काबिलियत का अनुमान लगा सकें। कई डॉक्टर अपनी योग्यता का डंका पीटने के लिए नाम और डिग्री के साथ गोल्ड मेडलिस्ट वगैरह लिखते हैं। इसी तर्ज पर यह कानून बनाया जाना भी जरूरी है कि साइन बोर्ड पर नाम और डिग्री के साथ नीट पीजी के पर्सेंटाइल लिखना भी अनिवार्य हो।

राजनेता और आला अफसर अपना इलाज देश के सबसे महंगे अस्पतालों में सरकारी खर्च पर करवाते हैं। कुछ तो भारत की चिकित्सा व्यवस्था पर भरोसा ही नहीं करते और विदेश जाकर इलाज कराते हैं। मगर आम लोगों के इलाज के लिए माइनस 40 पर्सेंटाइल वाले डॉक्टरों की जमात तैयार की जा रही है। सरकार भले ही स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की आड़ ले लेकिन यह मेडीकल शिक्षा के नाम पर सरासर मज़ाक हो रहा है। ऐसे नाकाबिल डॉक्टरों को इलाज की छूट देना दरअसल मरीजों की जान से खिलवाड़ है।

अमेरिका की साम्राज्यवादी सोच के विरुद्ध बन रहे नए समीकरण

प्रहलाद सबनानी

अमेरिकी ट्रम्प प्रशासन द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति श्री निकोलस मदुरो को रात्रि के समय में गिरफ्तार कर अमेरिका लाकर उन पर मुकदमा चलाया जाना एवं वेनेजुएला के तेल भंडार पर अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका का कब्जा स्थापित करने का प्रयास करना, अमेरिका की साम्राज्यवादी सोच को ही दर्शाता है। साथ ही, इसी क्रम में डेनमार्क द्वारा शासित ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। सोचनीय विषय है कि डेनमार्क नाटो का सदस्य देश होने के चलते वह अमेरिका का मित्र राष्ट्र है और मित्र राष्ट्र की सीमाओं में घुसकर उसके आधिपत्य वाले क्षेत्र को अमेरिका द्वारा बलपूर्वक अपने देश की सीमा में शामिल करने का प्रयास करना उचित कदम नहीं कहा जा सकता है। कुछ समय पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कनाडा के राष्ट्रपति को धमकी दी थी कि अमेरिका कनाडा को अपना 51वां राज्य बनाना चाहते हैं। ध्यान रहे कनाडा भी अमेरिका के मित्र राष्ट्र के देशों की सूची में शामिल है। परंतु, जब अमेरिका जैसा देश साम्राज्यवादी सोच के आधार पर निर्णय लेने लगते हैं, तो मित्र राष्ट्र का ध्यान भी नहीं रह पाता है। अमेरिका द्वारा हाल ही में ब्रिक्स के सदस्य देशों (भारत, रूस, चीन एवं ब्राजील) पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की धमकी देना केवल अमेरिका की व्यापार नीति नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की सीधी कोशिश है। 500 प्रतिशत का यह टैरिफ रूस, चीन, ब्राजील और भारत पर नहीं बल्कि ब्रिक्स के सदस्य देशों द्वारा डीडोलराईजेशन की ओर अपने कदम बढ़ाने को रोकने का एक प्रयास है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में किए जाने वाले विदेश व्यापार का एक दूसरे को भुगतान अब स्थानीय मुद्रा में करते दिखाई दे रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा हैं। ब्रिक्स की मुद्रा व्यवस्था, स्थानीय मुद्रा व्यापार सम्बंध एवं डॉलर मुक्त भुगतान व्यवस्था अमेरिका के लिए एक रणनीतिक खतरे के रूप में उभर रही है। इसीलिए अमेरिका छोटे देशों की तरह ही बड़े देशों को भी अनुशासित करना चाहता है। परंतु, यहां अमेरिका यह भूल जाता है कि वेनेजुएला, डेनमार्क, क्यूबा, मेक्सिको आदि छोटे देश हैं जो अपनी जरूरतों के लिए अमेरिका पर निर्भर हैं परंतु भारत, चीन, रूस एवं ब्राजील जैसे बड़े देशों पर अमेरिका का दबाव काम नहीं कर पाएगा। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान विदेश नीति को 20वीं सदी की 'हस्तक्षेपवाद.2' की नीति कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। पिछले 250 वर्षों में अमेरिका ने विश्व के अन्य देशों में 400 बार हस्तक्षेप किया है। अमेरिका के लिए यह एक पैटर्न है आश्चर्य में डालने वाली घटना नहीं है। अमेरिका ने पूर्व में भी आर्थिक दबाव डालकर एवं सैन्य हस्तक्षेप के माध्यम से अन्य देशों में सत्ता परिवर्तन कराने में भी सफलता हासिल की है। और, यह पैटर्न आज भी जारी है। अमेरिका भारत एवं चीन पर केवल इस कारण से भी 500 प्रतिशत टैरिफ लगाना चाहता है क्योंकि ये देश रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल आयात करते हैं। आज के इस युग में अब अमेरिका निर्णय लेगा कि किस देश को कच्चा तेल किस देश से खरीदना है। यह साम्राज्यवाद अथवा अधिनायकवाद की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या है?

इसी प्रकार, ट्रम्प प्रशासन द्वारा विश्व के 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अमेरिका की सदस्यता को समाप्त करना भी वैश्विक व्यवस्था का पुनर्निर्माण नहीं बल्कि अमेरिका का विश्व में एक छत्र राज्य स्थापित करने की सोच का नतीजा हो सकता है। अमेरिका किसी भी अन्य ब्लाक अथवा देश के साथ मिलकर विश्व पर अपना प्रभुत्व स्थापित नहीं करना चाहता है बल्कि अमेरिका केवल अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है। इस रणनीति के अंतर्गत वैश्विक संगठनों एवं संस्थाओं को कमजोर करने के एकपक्षीय अमेरिकी शक्ति मॉडल को लागू करना ही मुख्य लक्ष्य हो सकता है।

आज अमरीका में ट्रम्प प्रशासन इससे भी परेशान है कि आर्थिक शक्ति का केंद्र पश्चिमी देशों से पूर्वी देशों की ओर खिसकता जा रहा है। इससे ट्रम्प को पूरे विश्व में अमेरिका का आधिपत्य स्थापित करने की रणनीति को धक्का लगता हुआ दिखाई दे रहा है। संख्या, जनसंख्या, संसाधन एवं बाजार के आधार पर आगे आने वाला भविष्य पूर्व के आस पास दिखाई देता है, अमेरिका वैश्विक स्तर पर अपने प्रभुत्व को किसी भी कीमत पर खोना नहीं चाहता है। अमेरिका आज नहीं चाहता कि चीन, रूस एवं भारत मिलकर विश्व में शक्ति की एक धुरी बनें। साथ ही, ट्रम्प यह भी नहीं चाहता कि भारत वैश्विक स्तर पर अपनी रणनीतिक स्वायतत्ता बढ़ाने में सफल हो तथा डीडोलराईजेशन की व्यवस्था गति पकड़े और यूरोपीय यूनियन के देश अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बनाए। यूरोपीय यूनियन के देशों पर अमेरिका अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है। परंतु, अब तो यूरोपीय यूनियन के देश भी अपने सुरक्षा बजट में अतुलनीय वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिका पर इन देशों का विश्वास कम हो गया है। ट्रम्प चूंकि बहुध्रुवीय व्यवस्था में विश्वास नहीं करते है और यह व्यवस्था उनके लिए असहनीय है अतः ट्रम्प समस्त देशों पर टैरिफ युद्ध छेड़कर उन्हें दबाव में लाना चाहते है ताकि अमेरिका पूरे विश्व में अपना एक छत्र राज्य स्थापित कर सके। इसीलिए ट्रम्प आज पूरे विश्व में नियंत्रित अशांति चाहता है। दरअसल, आज अमेरिका की आक्रामक साम्राज्यवादी टैरिफ नीति भी वैश्विक अस्थिरता की सबसे बड़ी जड़ के रूप में उभर रही है। इसी क्रम में, अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्यवाही कर ग्रीनलैंड पर अपना आधिपत्य स्थापित करने की कार्यवाही नाटो जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान को तोड़ सकती है। नाटो के सदस्य देशों ने स्पष्ट रूप से कहा भी है कि अमेरिका का ग्रीनलैंड पर हमला नाटो के सदस्य देशों पर किया गया हमला माना जाएगा।

एक नजर

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने 617 लाख के विकास कार्यों का किया श्रीगणेश

पथ प्रवाह, देहरादून। रविवार को कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून स्थित सामुदायिक भवन, नागल हटनाला में मसूरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने वार्ड 04 राजपुर में 398.96 लाख की लागत से निर्मित नागल हटनाला पेयजल योजना तथा मण्डी परिषद के 23 लाख की लागत की विकास योजनाओं का लोकार्पण किया, वहीं वार्ड के अंतर्गत नागल हटनाला, चालंग एवं कुल्हान क्षेत्रों में सड़कों एवं नालियों के निर्माण कार्यों का 188.36 लाख की लागत से शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कुल 616.67 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की सौगात क्षेत्रवासियों को दी गई। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार जनहित को सर्वोपरि रखते हुए मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पेयजल, सड़क और नाली जैसे विकास कार्य आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और सरकार प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान मंत्री जोशी ने संबंधित अधिकारियों को आंतरिक सड़क निर्माण कार्यों को गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने वरिष्ठ नागरिकों एवं पार्टी के सक्रिय सदस्यों को सम्मानित भी किया। सम्मानित होने वालों में पूर्व प्रधान चालंग रामलाल ठाकुर, प्रेम पाठक, मीनाक्षी भट्ट, कमल गुप्ता, रविंद्र सिंह, कलम सिंह रमोला, राखी पुंडीर, रणवीर और उमेश त्यागी सहित अन्य शामिल रहे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजीव गुरुंग, पार्षद महिमा पुंडीर, पूर्व प्रधान समीर पुण्डीर, मण्डल महामंत्री अल्का कुल्हांन, अनुज कौशल, प्रमोद रावत, विक्रम इंद्रवाल, प्रेम पाठक, लोनिवि के ईई राजेश कुमार, जलनिगम के ईई दीपक नौटियाल, सुधीर पुंडीर, राजेश रमोला, मंजीत रावत, संजय रावत सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रिया में 'ब्लैक सैटरडे' हिमस्खलन में आठ लोगों की मौत

वियना। ऑस्ट्रिया के स्टायरिया और साल्ज़बर्ग क्षेत्रों में हिमस्खलन में आठ लोगों की जान चली गयी है। ऑस्ट्रिया के सबसे बड़े अखबार क्रोनन ज़ितुंग ने यह जानकारी दी। अखबार ने इस दुर्घटना के बाद इस दिन को 'ब्लैक सैटरडे' करार देते हुए कहा कि शनिवार दोपहर को स्टायरिया के पुस्टरवाल्ड इलाके में हुए हिमस्खलन में तीन लोग मारे गये। शनिवार को ही, ऑस्ट्रियाई ब्रॉडकास्टर ओआरएफ ने बताया कि पश्चिमी ऑस्ट्रिया के साल्ज़बर्ग क्षेत्र में दो हिमस्खलन की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हो गयी। ओआरएफ के अनुसार, पहला हिमस्खलन दोपहर के कुछ समय बाद बैड हॉफगास्टीन इलाके में 2,200 मीटर की ऊंचाई पर हुआ। एक व्यक्ति खुले पहाड़ी इलाके में दब गया और उसकी मौत हो गयी। दूसरी घटना में, ग्रॉसार्ल घाटी के फिनस्टरकॉप इलाके में कुल सात लोग बह गए। ओआरएफ की रिपोर्ट के अनुसार, उनमें से चार मृत पाये गये, जबकि अन्य तीन बच गये। रिपोर्ट में कहा गया है कि घटनास्थल पर हेलीकॉप्टर, डॉग स्क्वाड, संकट हस्तक्षेप टीम, अल्पाइन पुलिस और आपातकालीन पैरामेडिक भेजे गये हैं। स्थानीय पर्वतीय बचाव विभाग के प्रमुख गेरहार्ड क्रेमसर ने कहा, 'हमारी संवेदनाएं परिवारों के साथ हैं। यह त्रासदी दर्दनाक रूप से दिखाती है कि मौजूदा हिमस्खलन की स्थिति कितनी गंभीर है। ओआरएफ ने बताया कि दोपहर के आसपास, पास के इलाकों में शीतकालीन खेलों के शौकीनों के कारण कुछ और हिमस्खलन हुए, हालांकि इनमें कोई भी घायल नहीं हुआ। साल्ज़बर्ग हिमस्खलन चेतावनी सेवा ने शनिवार के लिये खतरे का स्तर बढ़ाकर 'स्तर-3' कर दिया, जो काफी खतरे का संकेत देता है।

घने कोहरे से उड़ानें बाधित, एयर इंडिया- इंडिगो ने जारी किया परामर्श

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में घने कोहरे के मद्देनजर एयर इंडिया और इंडिगो सहित विभिन्न एयरलाइंस ने उड़ानों में संभावित देरी और रुकावटों को लेकर यात्रियों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। एयर इंडिया ने रविवार को सोशल मीडिया पर कहा कि सोमवार सुबह दिल्ली सहित कई क्षेत्रों में दृश्यता कम रहने के कारण उड़ानों के परिचालन पर असर पड़ सकता है। एयरलाइन ने कहा कि उसने रुकावटों को कम करने के लिए पहले से ही कदम उठाए हैं।

ममता सरकार बंगाल में अलगाव को बढ़ावा दे रही है : भाजपा

धर्मशाला। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि उनकी सरकार तुष्टिकरण की नीति अपना रही है जिससे राज्य में अलगाव बढ़ रहा है। भाजपा की हिमाचल प्रदेश इकाई के प्रवक्ता संजय शर्मा ने शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पारंपरिक रूप से आध्यात्मिकता, तपस्या और बलिदान की भूमि बंगाल शासन का एक ऐसा दौर देखा जा रहा है, जो कथित तौर पर इसे 'बंग-भंग' या बंगाल के विखंडन की ओर ले जा रहा है। प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि देशभर के नागरिकों के बीच यह चिंता बढ़ रही है कि क्या पश्चिम बंगाल को भारत के अभिन्न अंग के रूप में कार्य करने दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया, 'देशभर के नागरिकों के मन में एक परेशान करने वाला सवाल उठने लगा है, क्या वास्तव में पश्चिम बंगाल को भारत के हिस्से के रूप में संचालित होने दिया जा रहा है?

शर्मा ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को बाधित करने के लिए असंवैधानिक तरीकों और हिंसा का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव से जुड़े अधिकारियों को अत्यधिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जिससे कुछ अधिकारी आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। प्रवक्ता ने जादवपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) अशोक दास के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि अपना संवैधानिक कर्तव्य निभा रहे एक ईमानदार अधिकारी को तृणमूल कार्यकर्ताओं से धमकियां मिलीं।

उत्तराखंड में सीमा पार करते ही ई-निगरानी, कागजात अधूरे तो कटेगा स्वत: ई-चालान

पथ प्रवाह, देहरादून।

देवभूमि उत्तराखंड की यात्रा करने वाले वाहन चालकों के लिए यह खबर बेहद महत्वपूर्ण है। अब उत्तराखंड की सीमा में प्रवेश करते ही वाहन के सभी जरूरी दस्तावेज स्वतः जांच के दायरे में आ जाएंगे। परिवहन विभाग 19 जनवरी से प्रदेश में ई-डिटेक्शन प्रणाली लागू करने जा रहा है, जिसके तहत बिना बीमा, परमिट, प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी) या फिटनेस के चल रहे वाहनों का स्वतः ई-चालान किया जाएगा।

परिवहन विभाग की इस नई व्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश के सात प्रमुख टोल प्लाजा पर अत्याधुनिक तकनीक से वाहनों की ई-निगरानी की जाएगी। जैसे ही कोई वाहन टोल से गुजरेगा, उसका नंबर परिवहन मंत्रालय के वाहन पोर्टल से रियल टाइम में कनेक्ट होकर जांचा जाएगा। यदि डाटाबेस में दर्ज दस्तावेज एक्सपायर, अवैध या अनुपलब्ध पाए गए तो सिस्टम वाहन को डिफॉल्टर घोषित कर देगा और तत्काल ई-चालान जारी हो जाएगा।

उप परिवहन आयुक्त शैलेश कुमार तिवारी ने बताया कि इस प्रणाली के तहत वाहनों के परमिट, बीमा प्रमाणपत्र, प्रदूषण प्रमाणपत्र, फिटनेस सर्टिफिकेट और रोड टैक्स की जांच की जाएगी। इसके साथ ही 15 वर्ष या उससे अधिक पुराने वाहनों की भी पहचान संभव हो सकेगी। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में वाहन स्वामी के मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से ई-चालान की सूचना भेजी जाएगी, जिसका भुगतान ऑनलाइन किया जा सकेगा।

ई-डिटेक्शन प्रणाली का ट्रायल शनिवार को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। एक दिन में सातों टोल प्लाजा से कुल 49,060 वाहनों का डाटा सिस्टम को प्राप्त हुआ, जिसमें से 1,569 वाहन ऐसे पाए गए जिनके परमिट और फिटनेस समाप्त हो चुके थे। इससे यह स्पष्ट हो गया कि नई व्यवस्था नियमों के सख्त अनुपालन में कारगर साबित होगी।

इन टोल प्लाजा पर होगी ई-निगरानी

बहादराबाद टोल प्लाजा (हरिद्वार)
भगवानपुर टोल प्लाजा (हरिद्वार)
लच्छीवाला टोल प्लाजा (देहरादून)
जगतापुर पट्टी टोल प्लाजा (ऊधमसिंह नगर)
बनुषी टोल प्लाजा (ऊधमसिंह नगर)
नगला टोल प्लाजा (ऊधमसिंह नगर)
देवरिया टोल प्लाजा (ऊधमसिंह नगर)

परिवहन विभाग के अनुसार प्रथम चरण में परमिट, बीमा और फिटनेस की जांच कर ई-चालान किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य न केवल सड़क सुरक्षा को मजबूत करना है, बल्कि नियमों का पालन सुनिश्चित कर दुर्घटनाओं और अवैध वाहनों पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

सचिवालय एथलेटिक्स क्लब का अष्टम वार्षिक एथलेटिक्स मीट संपन्न

पथ प्रवाह, देहरादून।

सचिवालय एथलेटिक्स एवं फिटनेस क्लब द्वारा रविवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज स्थित गंगा एथलेटिक्स ग्राउंड में अष्टम सचिवालय वार्षिक एथलेटिक्स मीट का भव्य आयोजन किया गया। इस खेल महोत्सव में सचिवालय के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर फिटनेस और खेल भावना का परिचय दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर सचिव संतोष बडोनी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उप सचिव खेल एवं युवा कल्याण अजीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए नियमित खेल गतिविधियों को स्वस्थ जीवन का आधार बताया।

एथलेटिक्स मीट में 25 वर्ष से 75 वर्ष तक की आयु वर्ग के सचिवालय अधिकारी व कर्मचारियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। दौड़, कूद और अन्य एथलेटिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। प्रतियोगिता की चैंपियनशिप ट्रॉफी 50 प्लस आयु वर्ग में जीवन सिंह बिष्ट ने प्राप्त की। 40 प्लस वर्ग में आईपी सिंह और दीपक सिंह बिष्ट संयुक्त रूप से विजेता रहे, जबकि 30 प्लस वर्ग में टिकराज सिंह ने चैंपियनशिप अपने नाम की। महिला वर्ग में 30 प्लस आयु वर्ग में चंपा कोरंगा, 40 प्लस में बिमला आर्य और उर्वा रावत ने शानदार प्रदर्शन कर चैंपियनशिप ट्रॉफी हासिल की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में क्लब अध्यक्ष ललित चंद जोशी, महासचिव राजेंद्र प्रसाद जोशी, उपाध्यक्ष रीना शाही, कोषाध्यक्ष दिनेश सिंह धींगा, संयुक्त सचिव भुवन जोशी, कार्यालय सचिव सुभाष लोहनी, मीडिया प्रभारी निधि, ऑडिटर प्रमिला टम्टा सहित गोदावरी रावत, विद्या दत्त जोशी, गजपाल सिंह रावत, भूपेंद्र सिंह एवं अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अंत में अतिथियों द्वारा विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए और भविष्य में ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का आह्वान किया गया।

रैगिंग प्रकरण पर सख्त हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत

दून मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्र के साथ हुई घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

पथ प्रवाह, देहरादून

प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्र के साथ हुई रैगिंग की घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि शिक्षण संस्थानों में इस प्रकार के कृत्य किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि दोषियों के विरुद्ध ऐसी सख्त कार्रवाई की जाएगी, जो भविष्य के लिए नजीर बने।

डॉ. धन सिंह रावत ने घटना की जानकारी मिलते ही दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या को पूरे प्रकरण की विस्तृत एवं निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि मामले से जुड़े सभी तथ्यों, परिस्थितियों एवं आरोपों की गहनता से जांच की जाए तथा

आवश्यकता पड़ने पर अन्य छात्रों व संबंधित व्यक्तियों से भी पूछताछ की जाए। मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने जांच रिपोर्ट आने तक आरोपी छात्रों को डिबार करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने रैगिंग जैसी घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं न केवल छात्रों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं, बल्कि संस्थागत अनुशासन और शैक्षणिक वातावरण पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। उन्होंने कॉलेज प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप एंटी-रैगिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उधर, दून मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने बताया कि मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कॉलेज की एंटी-रैगिंग कमेटी द्वारा पीड़ित छात्र की शिकायत के आधार पर आरोपी छात्रों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। जांच रिपोर्ट शीघ्र ही शासन को सौंप दी जाएगी।

स्वस्थ और विकसित राष्ट्र के लिए फिट इंडिया जरूरी : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने गाचीबोवली स्टेडियम में 'संडेज ऑन साइकिल' के 57वें हैदराबाद संस्करण को हरी झंडी दिखाई और एक स्वस्थ और विकसित भारत बनाने में फिजिकल फिटनेस के महत्व को रेखांकित किया। केंद्रीय मंत्री श्री रेड्डी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है और केंद्र फिट इंडिया आंदोलन के जरिए उस दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि बदलती जीवनशैली, खान-पान की आदतें, शारीरिक गतिविधियों में कमी और पर्यावरणीय बदलावों के कारण मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याएं बढ़ रही हैं। श्री रेड्डी ने कहा कि मोदी सरकार मोटापा कम करने और लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए कई कार्यक्रम लागू कर रही है। रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत नागरिकों से तेल की खपत कम करने की भी अपील की है। श्री रेड्डी ने बताया कि मानसिक तनाव कई बीमारियों के पीछे एक बड़ा कारण बनकर उभर रहा है।

एसपी कमलेश उपाध्याय की पुलिस टीम की महिला आरक्षी की ईमानदारी बनी मिसाल

माघ मेले में खोया पर्स आभूषण व नकदी सहित लौटाया

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

पौराणिक माघ मेले के दौरान उत्तरकाशी पुलिस की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा एक बार फिर सामने आई है। मेला परिसर में ड्यूटी पर तैनात महिला आरक्षी निकिता को ड्यूटी के दौरान एक पर्स पड़ा हुआ मिला, जिसमें आभूषण तथा 4100 रुपये की नकदी रखी हुई थी। महिला आरक्षी ने बिना देर किए पर्स को सुरक्षित रूप से माघ मेला थाना पहुंचाया और पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस ने पर्स की जांच करने पर उसमें रखे आधार कार्ड के माध्यम से पर्स की मालकिन की पहचान की गई। जानकारी मिलने पर पर्स की स्वामिनी श्रीमती सुनीता देवी को माघ मेला थाने बुलाया गया, जहां आवश्यक सत्यापन के बाद आभूषण व नकदी सहित पूरा पर्स उन्हें सकुशल वापस सौंप दिया गया। अपना खोया हुआ पर्स वापस पाकर महिला ने राहत की सांस ली और उत्तरकाशी पुलिस तथा महिला आरक्षी निकिता का आभार व्यक्त किया। इस सराहनीय कार्य से मेले में आए श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के बीच पुलिस के प्रति विश्वास और भी मजबूत हुआ है। माघ मेला जैसे विशाल आयोजन में जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं, वहां इस प्रकार की ईमानदारी और तत्परता पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली को दर्शाती है।

विदित हो कि एसपी कमलेश उपाध्याय के निर्देशों पर उत्तरकाशी पुलिस ने माघ मेले के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की सहायता के लिए नजदीकी पुलिस कर्मी से संपर्क करें या डायल 112 पर कॉल करें। वहीं, मेले के दौरान बिछड़े परिजनों अथवा बच्चों के लिए खोया-पाया केंद्र की भी व्यवस्था की गई है, ताकि सभी श्रद्धालु सुरक्षित एवं निश्चिंत होकर मेले का आनंद ले सकें। एसपी के निर्देशों का असर पुलिस की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा में साफ नजर आ रहा है।

एक नजर

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने होटल में 29 पार्षदों से की मुलाकात

मुंबइ। बीएमसी चुनाव परिणाम के दो दिन बाद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बांद्रा के होटल ताज लैंड्स एंड में मौजूद पार्टी के सभी 29 पार्षदों से मुलाकात की तथा पार्षदों को परिणाम आने के बाद ही होटल शिफ्ट कर दिया गया था। शिंदे ने कहा कहा कि मुंबई का मेयर महायुति गठबंधन से ही बनेगा। भारतीय जनता पार्टी के बाद शिवसेना दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने हम बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं।

बीएमसी सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों का परिणाम 16 जनवरी को आया था। मुंबई के 227 वार्डों में भाजपा ने 89 वार्ड जीते हैं। शिंदे गुट ने 29 वार्ड जीते हैं। बहुमत के आंकड़े 114 के लिए भाजपा को शिंदे गुट के 29 पार्षदों की आवश्यकता है।

आतंकी मुठभेड़ में 8 जवान घायल, 3 एयरलिफ्ट किए गए

किश्तावाड़ के सोनार में ऑपरेशन त्राशी-1 जारी

जम्मू (ईएमएस) । जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकी मुठभेड़ में सेना के 8 जवान घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक 3 जवानों को एयरलिफ्ट करके इलाज के लिए उधमपुर आर्मी बेस अस्पताल पहुंचाया गया। घटना किश्तवाड़ के ऊपरी जंगली इलाके सोनार की है। यहां सेना की व्हाइट नाइट कोर का आतंकियों के खिलाफ 'ऑपरेशन त्राशी-1' जारी है। इसी दौरान आतंकियों से जवानों की मुठभेड़ हुई।

दोनों ओर से फायरिंग की गई। 2-3 आतंकियों को जवानों ने घेर लिया था। तभी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया। अधिकारियों के मुताबिक आतंकियों की तलाश अभी भी जारी है। इलाके पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। स्निफर डॉग्स की भी मदद ली गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ सर्चिंग में जुटी है।

प्रतिवर्ष हो रहीं 10 लाख मौतें... वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट पर कांग्रेस हुई हमलावर, मोदी सरकार से पूछे सवाल

वायु प्रदूषण पर आधारित है रिपोर्ट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश में बढ़ते प्रदूषण को लेकर वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट के बाद सियासत तेज हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में वायु प्रदूषण के कारण हर साल करीब 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है। साथ ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर कहा, कि आखिर मोदी सरकार कब तक सच्चाई से मुंह मोड़ती रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड बैंक की यह रिपोर्ट 'ए ब्रीथ ऑफ चेंज' शीर्षक से जारी की गई है, जो इंडो-गैंगेटिक मैदानों और हिमालय की तलहटी में वायु प्रदूषण की स्थिति पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षेत्र में हर साल लगभग 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है और क्षेत्रीय जीडीपी का करीब 10 प्रतिशत आर्थिक नुकसान हो रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापक, तथ्यात्मक और सबूतों पर आधारित है। इसमें कोयला आधारित पावर प्लांट्स के उत्सर्जन मानदंडों को सख्ती से लागू करने और सबसे पुरानी व प्रदूषणकारी इकाइयों को तेजी से बंद करने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा रिपोर्ट में शहर-केंद्रित योजनाओं से आगे बढ़कर कानूनी रूप से सशक्त एयरशेड-आधारित गवर्नेंस अपनाने पर जोर दिया गया है। कांग्रेस नेता ने यह भी बताया कि रिपोर्ट में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के विस्तार और इलेक्ट्रिफिकेशन, वाहन उत्सर्जन मानकों को सख्त करने और ईंधन गुणवत्ता में सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में एक्यूआई से जुड़ा स्वास्थ्य संकट लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस लगातार मांग कर रही है कि वायु प्रदूषण (नियंत्रण और रोकथाम) अधिनियम, 1981 और नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (नाक्स), 2009 की समीक्षा की जाए, खासकर पीएम 2.5 पर फोकस के साथ। इसके साथ ही कांग्रेस ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के बजट और भौगोलिक दायरे को बड़े स्तर पर बढ़ाने, प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए पीएम 2.5 को मानक बनाने और बिना किसी छूट या ढील के वायु प्रदूषण से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की है।

भारत की मेजबानी में सीएसपीओसी का आयोजन अतिथि देवो भव: की महान परंपरा का प्रतीक:बिरला

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों का 28वां सम्मेलन (सीएसपीओसी) भारत की मेजबानी में होना भारत की 'अतिथि देवो भवः' की महान परंपरा का प्रतीक है। बिरला सीएसपीओसी के बाद भ्रमण कार्यक्रम के तहत संसदीय प्रतिनिधियों के जयपुर आगमन पर शनिवार को विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपने संबोधन यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत एक विशाल और विविधताओं से भरा देश है, जहां भौगोलिक विविधता, भाषाओं की विविधता, खानपान की विविधता के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत की समृद्धता भी अद्वितीय है।

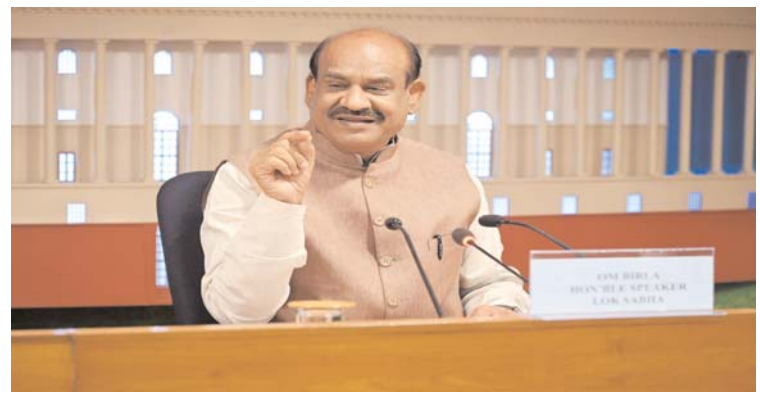

उन्होंने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों में अत्यंत प्राचीन सभ्यताएं और समृद्ध परंपराएं आज भी जीवंत हैं। उन्होंने राजस्थान की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां विशाल रेगिस्तान, भव्य महल, नदियां, बावड़ियां मौजूद है। राजस्थान शौर्य और वीरता की भूमि है। यहां महाराणा प्रताप ने शत्रुओं से संघर्ष करते हुए भी अपने आत्मसम्मान से कभी समझौता नहीं किया। श्री बिरला ने इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े का अभिनंदन किया और इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार का विशेष आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि इस आतिथ्य का अवसर मिलना हमारे लिए गर्व का विषय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवाद एवं पारस्परिक मिलन से विभिन्न देशों के लोग सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे के निकट आते हैं और इससे आपसी आत्मीयता और भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान में शौर्य, साहस, अतिथि-सत्कार, परंपरा और जीवटता का अनूठा संगम देखने को मिलता है। यह प्रदेश अपने विशिष्ट भूगोल और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद विकास, जनकल्याण एवं प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पधारो म्हारे देश की भावना के साथ राजस्थान की धरती पर आप सभी का स्वागत है। कार्यक्रम में राजस्थान की समृद्ध लोक-परंपरा, लोक-संगीत एवं शास्त्रीय नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को मंच पर जीवंत किया गया। इस दौरान लंगा-मंगणियार गायन, लोक नृत्य, चंग-धाप नृत्य, कथक नृत्य, घूमर नृत्य एवं भवई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर श्री बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष, मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद एवं विधायक तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल देशों की संसदो के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारी के 28वें सम्मेलन में शामिल होने के उपरांत भ्रमण कार्यक्रम के तहत दो दिवसीय प्रवास पर जयपुर आए है। इस प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रमंडल देशों की विधायिकाओं के अध्यक्ष, सदस्य सहित उच्च स्तरीय संसदीय अधिकारी सम्मिलित है।

ग्रीनलैंड पर बढ़ते तनाव के बीच ईयू ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर लगाई रोक

ब्रुसेल्स। ग्रीनलैंड मामले में अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईयू ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी है।

ईयू ने यह कदम डेनमार्क और संघ के कई देशों पर अमेरिका द्वारा आयात शुल्क लगाने की चेतावनी के बाद उठाया है। ईयू के नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ये आयात शुल्क संघ और अमेरिका के संबंधों को नुकसान पहुँचा सकते हैं। साथ ही, उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता ऐसे सिद्धांत हैं जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि जुलाई 2025 में प्रस्तावित समझौते को आयात शुल्क कम करने और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया था। हालांकि ग्रीनलैंड पर श्री ट्रंप के रुख और और आयात शुल्क लगाने की उनकी चेतावनी के बाद संघ ने इस प्रस्तावित समझौते के अनुमोदन को रोकने का आह्वान किया है।

श्री ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में धमकी दी है कि यदि ग्रीनलैंड को 'पूरी तरह ' से अमेरिका को नहीं बेच दिया जाता, तो एक फरवरी 2026 से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और फिनलैंड पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा, जो 1 जून से बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगा।

श्री ट्रंप ने ग्रीनलैंड के 'रणनीतिक स्थान और खनिज संसाधनों को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण' बताते हुए चेतावनी दी, 'एक फरवरी 2026 से, उपर्युक्त सभी देशों द्वारा अमेरिका को भेजे जाने वाले सभी सामानों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। एक जून 2026 को यह शुल्क बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा। यह तब तक लागू रहेगा, जब तक ग्रीनलैंड को खरीदने के लिए कोई समझौता नहीं हो जाता। '

यूरोपियन पीपल्स पार्टी के उपाध्यक्ष सिगफ्राइड मूरसन और अन्य यूरोपीय अधिकारियों ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह घोषणा उस स्थिरता को कमजोर करती है, जिसे सुनिश्चित करने के लिए यह व्यापार समझौता किया गया था।

श्री मूरसन ने कहा, 'पिछले साल अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच हुए व्यापार समझौते से स्थिरता ही एकमात्र लाभ होता। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कई ईयू सदस्य देशों पर नए आयात लगाने की आज की घोषणा उस स्थिरता को छीन लेती है। यही कारण है कि उस व्यापार समझौते के अनुसमर्थन को स्थगित करना उचित है। मूरसन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'हमें पिछले जुलाई के ईयू-यूएस व्यापार समझौते को बहुत जल्द अनुमोदित करना था, जिससे अमेरिका से यूरोपीय संघ में होने वाले आयात पर आयात शुल्क शून्य हो जाता। हालांकि, हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए इस मंजूरी के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।

राहुल अग्रवाल को सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने पर जताया सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत का आभार

पथ प्रवाह, लक्सर।

हरिद्वार लोकसभा सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा लक्सर नगर पालिका में राहुल अग्रवाल को अपना सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने से कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर है। दक्षिणी लक्सर व्यापार मंडल द्वारा संरक्षक डॉक्टर सुधीर परमार के आवास पर सांसद प्रतिनिधि का स्वागत किया गया। सभी ने हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत का धन्यवाद किया।

कहा कि सांसद द्वारा समाज में सदैव कार्य करने वाले निष्ठावान, समर्पित कार्यकर्ता राहुल अग्रवाल को यह पद देकर लक्सर को गोर्वान्वित किया है। हरिद्वार सांसद प्रतिनिधि राहुल अग्रवाल ने कहा कि सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत (पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड) लोकसभा हरिद्वार के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय जनता पार्टी की रीति नीति के अनुसार विकास की धारा समाज में बैठे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसी को सार्थक करने के लिए हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने प्रत्येक पालिका में अपने प्रतिनिधि नियुक्त किए हैं। राहुल अग्रवाल ने कहा कि सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता को समाज और हरिद्वार के निष्ठावान सांसद के बीच में सेतु का कार्य करने की जिम्मेदारी दी है। वह लक्सर क्षेत्र की आवश्यकताओं व आमजन की समस्याओं को हरिद्वार सांसद तक सुगमता से पहुंचाकर उनका निवारण कराने और क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे। दक्षिणी लक्सर व्यापार मंडल के स्वागत कार्यक्रम में संरक्षक डॉक्टर सुधीर परमार, भूपेंद्र निगम, राजेंद्रनाथ मेहंदीरत्ता, अध्यक्ष विजेंद्र पांचाल, सौरभ कश्यप, तारीख सलमानी, अमित नामदेव, एडवोकेट अनूप, विजय पसरिचा, निर्मल ठाकुर, एडवोकेट अजय वर्मा, रजनीश कश्यप, मोहित अग्रवाल, पिंकी वर्मा एडवोकेट ओंकार, अंकुर इंडिया आदि व्यापारिक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वहीं दूसरी और आर्य समाज लक्सर के पदाधिकारी द्वारा आर्य समाज के युवा व निष्ठावान मंत्री राहुल अग्रवाल को सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा अपना प्रतिनिधि बनाए जाने पर यज्ञ का आयोजन कर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान प्रतिनिधि के तौर पर राहुल अग्रवाल का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में शुभकामना देने वालों मैं आर्य समाज के संरक्षक महंत धनपत राय आर्य, सेवाराम सिंघल, बीरबल आर्य, सुखपाल आर्य, डॉ राजेश अग्रवाल, गौरव आर्य, विशन कश्यप, रवि शंकर सिंघल, डॉ राजेंद्र वर्मा, राजपाल टोंक, विजय डल, प्रवेश गर्ग, डॉ सौरभ वर्धन सिंघल,राजेश जंडवाणी, सत्यपाल आर्य, राजपाल आर्य, धर्मचंद आर्य, विनय सिंघल, गौरव अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, उमेश गुप्ता, मास्टर दिनेश चौहान, कृष्णा, कनिष्क, आदित्य आदि आर्य बंधु उपस्थित रहे।

एक नजर

आरजेडी की 25 जनवरी को होने जा रही बड़ी बैठक, तेजस्वी यादव को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

पटना। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अहम बैठक 25 जनवरी को पटना में आयोजित होने जा रही है। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद यह पार्टी की पहली बड़ी बैठक मानी जा रही है, जिसमें संगठन और नेतृत्व से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में तेजस्वी यादव को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि बैठक में तेजस्वी यादव को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर मुहर लग सकती है। इसकी मुख्य वजह राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बढ़ती उम्र और उनका अस्वस्थ रहना बताया जा रहा है। हालांकि अभी भी पार्टी के अधिकांश अहम फैसलों में तेजस्वी की भूमिका केंद्रीय बनी हुई है, लेकिन औपचारिक तौर पर उन्हें नेतृत्व सौंपने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कार्यकारिणी की बैठक में विधानसभा चुनाव के दौरान कथित भीतरघात करने वाले नेताओं पर भी कार्रवाई का फैसला लिया जा सकता है। चुनाव में अपेक्षाकृत खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी नेतृत्व संगठन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों की समीक्षा कर रहा है। माना जा रहा है कि अनुशासनहीनता और संगठनात्मक लापरवाही को लेकर सख्त रुख अपनाया जा सकता है।

तेजस्वी यादव विदेश यात्रा से लौटने के बाद पूरी तरह से सक्रिय हो गए हैं। बीते गुरुवार और शुक्रवार को उन्होंने अपने पटना स्थित आवास पर लगातार दो दिनों तक पार्टी नेताओं के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में संगठन की मजबूती, विस्तार, बूथ स्तर पर सक्रियता और बिहार के मौजूदा राजनीतिक हालात पर विस्तार से चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि तेजस्वी जल्द ही राज्यव्यापी बिहार यात्रा पर निकल सकते हैं, जिस पर भी कार्यकारिणी की बैठक में अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को करारी हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी केवल 25 सीटों पर सिमट गई थी, जबकि तेजस्वी यादव महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे थे। चुनाव परिणाम आने के बाद तेजस्वी परिवार के साथ विदेश चले गए थे, जिस पर सत्तापक्ष ने सवाल भी खड़े किए थे। हालांकि अब उनकी वापसी के बाद राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। 25 जनवरी की बैठक को राजद के भविष्य की दिशा तय करने वाला अहम मोड़ माना जा रहा है। यदि तेजस्वी यादव को औपचारिक रूप से कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाता है, तो यह पार्टी में पीढ़ीगत नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में बड़ा संकेत होगा।

करनाल में आईटीआई छात्राओं के बीच मारपीट का वीडियो वायरल

बाल पकड़ घसीटते और बेल्ट से पीटती दिखीं छात्राएं, तीन छात्राएं सस्पेंड

करनाल। हरियाणा के करनाल में आईटीआई के बाहर छात्राओं के बीच हुई हिंसक झड़प के कुछ वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। मारपीट वाली घटना से जुड़े तीन वीडियो जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं,इनमें छात्राएं सरेआम एक-दूसरे पर हमला करती नजर आ रही हैं। छात्राएं सड़क पर दूसरी छात्रा को पटक कर लात-घूंसे मारती दिख रही हैं, एक छात्रा दूसरी के बाल पकड़कर घसीट रही है, जबकि एक अन्य छात्रा बेल्ट से वार करती नजर आई है। वायरल वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि आसपास खड़े कुछ लोग इस पूरे घटनाक्रम को हंसते हुए तमाशे की तरह देख रहे हैं, जबकि कुछ युवक बीच-बचाव करने की कोशिश कर रहे हैं। मारपीट के दौरान एक छात्रा की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ी। इसके बाद मौके पर मौजूद अन्य छात्राओं ने उसे संभाला।

घटना के वीडियो सामने आने और सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आईटीआई प्रबंधन ने मामले को गंभीरता से लिया है। जांच के बाद संस्थान प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन छात्राओं को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही, तीनों छात्राओं के अभिभावकों को भी संस्थान में बुलाकर पूरे मामले की जानकारी दी गई।

आखिर कब हुआ था झगड़ा

आईटीआई प्रबंधन की शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह घटना 13 जनवरी की है। उस दिन आईटीआई के बाहर तीन छात्राएं आपस में झगड़ रही थीं, जबकि अन्य छात्राएं उन्हें अलग कराने का प्रयास कर रही थीं। हालांकि उस समय मामला ज्यादा तूल नहीं पकड़ पाया, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद यह सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया। प्रशासन का कहना है कि फिलहाल छात्राओं के बीच विवाद की असली वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

आप विधायक सुक्खी ने दिया इस्तीफा, पंजाब की मान सरकार को लगा झटका

चंडीगढ़। मुक्तसर माघी मेले में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा था कि जो गुरु ग्रंथ साहिब जी के लापता पावन स्वरूपों का मामला चल रहा है उसमें से कुछ स्वरूप बंगा के पास गांव माजारा नौ आबाद में धार्मिक अस्थान रसोखाना श्री नाभ कंवल राजा साहिब से मिले हैं। इस बयान के बाद उक्त धार्मिक अस्थान से जुड़ी संगत ने नाराजगी जताई और मान सरकार की कड़ी आलोचना की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उसी दिन देर शाम इस इलाके के विधायक डॉ. सुखविंदर सुक्खी, जो अकाली दल बादल की टिकट से जीतकर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे और उन्हें कैबिनेट रैंक दिया था। इसके साथ ही विभाग का चेयरमैन कन्वीनर लगाया गया था।

जब तक धर्म से चलता रहेगा भारत, 'विश्वगुरु' बना रहेगा: भागवत

आध्यात्मिक ज्ञान हमारे पूर्वजों की अमूल्य विरासत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि जब तक भारत का मार्गदर्शन धर्म करता रहेगा, तब तक देश 'विश्वगुरु' बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास ऐसा आध्यात्मिक ज्ञान है, जो दुनिया के अन्य हिस्सों में देखने को नहीं मिलता। यह ज्ञान हमारे पूर्वजों की अमूल्य विरासत है और साधु-संतों के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ता रहा है।

एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे मोहन भागवत ने कहा, कि धर्म केवल पूजा-पाठ या किसी संप्रदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पूरे ब्रह्मांड को चलाने वाला मूल सिद्धांत है। उन्होंने कहा, धर्म ही पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि की उत्पत्ति हुई, तब जो नियम उसकी कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते थे, वही धर्म बने। सब कुछ उन्हीं सिद्धांतों पर चलता है।

आरएसएस प्रमुख ने उदाहरण देते हुए कहा, कि जैसे पानी का धर्म बहना है और आग का धर्म जलाना है, वैसे ही हर व्यक्ति, समाज और व्यवस्था का अपना-अपना धर्म यानी कर्तव्य और अनुशासन होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्म का अर्थ संकीर्ण धार्मिकता नहीं,

बल्कि नैतिक कर्तव्य और सही आचरण से है। उनके अनुसार, राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई भी मानव या कोई भी सृष्टि धर्म रहित नहीं हो सकती। भागवत ने कहा कि भारत को अपने पूर्वजों से जो आध्यात्मिक धरोहर मिली है, वह दुनिया में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत हमेशा से मानवता को दिशा देने वाला देश रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी दुनिया के पास भौतिक ज्ञान तो है, लेकिन आध्यात्मिकता की कमी है, जबकि भारत का मार्ग आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित है। यही भारत को विश्वगुरु बनाता है।

उन्होंने अपने वक्तव्य में जोर देकर कहा, कि चाहे वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों, स्वयं वह हों या आम नागरिक सभी को एक ही शक्ति संचालित कर रही है। यदि जीवन रूपी वाहन उस शक्ति के अनुसार चले, तो कोई दुर्घटना नहीं होगी। उस वाहन का चालक धर्म है। धर्म ही वह शक्ति है, जो व्यक्ति और समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाती है। मोहन भागवत ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने गहन आध्यात्मिक शोध, तपस्या और महान प्रयासों के माध्यम से जीवन के नियमों को समझा और उन्हें समाज के सामने रखा। आज की पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह इस विरासत को समझे, अपनाए और आगे बढ़ाए।

भारत-अमेरिकी साझेदारी लगातार आगे बढ़ रही: सर्जियो

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने मुंबई दौरे के दौरान सीएम फडणवीस समेत कई दिग्गजों से की मुलाकात

नई दिल्ली। अमेरिका में भारत के राजदूत सर्जियो गोर ने अपने पहले मुंबई दौरे का सफलतापूर्वक समापन किया। इस दौरान उन्होंने राजनीति, उद्योग, बैंकिंग और व्यापार जगत की कई प्रमुख हस्तियों से मुलाकात कर भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। गोर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भारतीय रिजर्व बैंक (आइबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन से महत्वपूर्ण बैठकें कीं।

मुंबई दौरा पूरा होने के बाद अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने लिखा, मुंबई का बहुत सफल दौरा समाप्त हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी, टाटा के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, भारत के फार्मा सेक्टर के वरिष्ठ अधिकारी और धार्मिक नेताओं के साथ शानदार बैठकें रहीं। व्यापार, तकनीक, शिक्षा, ऊर्जा और मजबूत सप्लाई चेन के क्षेत्रों में हम मजबूत गति बना रहे हैं, क्योंकि अमेरिका-भारत साझेदारी लगातार आगे बढ़ रही है।

गौरतलब है कि सर्जियो गोर ने अपने मुंबई दौरे की शुरुआत अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से की थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा था, कि मुंबई

में अपने पहले दौरे की शुरुआत दूतावास से करना उनके लिए उत्साहजनक है और यहां की टीम अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ हुई बैठक को दोनों देशों के लिए अहम माना जा रहा है। इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए गोर ने लिखा कि सीएम फडणवीस के साथ उनकी बैठक बेहद सकारात्मक रही। इसमें व्यापार और निवेश, एंटरटेनमेंट, तकनीक, मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिका और महाराष्ट्र के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष मिलकर कई बड़े अवसरों पर काम कर सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस बैठक को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का मुंबई में अपने आधिकारिक आवास पर स्वागत कर उन्हें खुशी हुई। बैठक में महाराष्ट्र और अमेरिका के बीच सहयोग को और गहरा करने पर सार्थक चर्चा हुई। फडणवीस ने बताया कि महाराष्ट्र में अमेरिकी निवेश बढ़ाने और महाराष्ट्र की कंपनियों की अमेरिका में मौजूदगी मजबूत करने जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने नवी मुंबई इंटरनेशनल एजुकेशन सिटी जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की जानकारी भी दी। गौरतलब है कि इस समय भारत और अमेरिका के रिश्ते कुछ हद तक संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेद उभरे हैं। इसके बावजूद, विशेषज्ञों का मानना है कि भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी लंबी अवधि में दोनों देशों के लिए बेहद अहम बनी रहेगी।

बंगाल की जनता से दुश्मनी निकाल रही टीएमसी :पीएम मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में पहुंचे और सिंगूर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने दो जनसभाओं को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर तीखा प्रहार किया और केंद्र की योजनाओं को बंगाल तक पहुँचने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने टीएमसी पर बंगाल की जनता से दुश्मनी निकालने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए।

यहां प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने कहा, टीएमसी बंगाल के लोगों से दुश्मनी निकाल रही है। केंद्र सरकार की योजनाएं यहां के लोगों तक पहुंचने ही नहीं देती। टीएमसी तो नौजवानों, किसानों, माताओं-बहनों से दुश्मनी ठाने हुए है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका प्रयास है कि बंगाल के हर वर्ग की सेवा की जाए, लेकिन राज्य सरकार इसे रोक रही है।

विकास परियोजनाओं का उद्घाटन
प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन और बंगाल के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का लोकार्पण किया। उन्होंने बालागढ़ में बनने वाले एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम और श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर किए गए निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं हुगली और आसपास के इलाकों के लिए नए अवसर खोलेंगी।

सिंगूर में हुई दूसरी जनसभा

पीएम मोदी ने कहा कि हुगली में करीब 830 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वंदे मातरम् को न केवल आजादी का उद्घोष बल्कि विकसित भारत का मंत्र भी बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के हर किसान, पशुपालक और मछुआरे को वैश्विक बाजार में अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने टीएमसी के 15 साल के शासन को जंगलराज करार देते हुए कहा कि बीजेपी एनडीए ने बिहार में इसे रोका और अब बंगाल में भी बदलाव लाने के लिए तैयार है।

मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि बंगाल में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा दिया जा रहा है। बंदरगाह, हाइवे, हवाई अड्डों और नदी जलमार्गों को आपस में जोड़कर व्यापार और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। बहरहाल पीएम मोदी का हुगली दौरा विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के लिए था, लेकिन उनका मुख्य राजनीतिक संदेश टीएमसी पर केंद्रित रहा। उन्होंने राज्य सरकार पर जनता से दूरी बनाने और केंद्र की योजनाओं को रोकने का आरोप लगाया, साथ ही बीजेपी की विकास और किसान-केंद्रित नीतियों को रेखांकित करते हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया।

एक नजर

जम्मू-कश्मीर में दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित पदार्थ जब्त, 3 तस्कर गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू कश्मीर पुलिस ने बडगाम जिले में दो अलग-अलग अभियानों में मादक पदार्थों समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है उनके पास से चार किलोग्राम से ज्यादा प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बडगाम पुलिस ने मागम और हार्डपंजू क्षेत्रों में अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में अवैध पदार्थ बरामद हुआ। मागम में पुलिस की एक टीम ने बटपोरा क्रॉसिंग पर नियमित गश्त के दौरान एक व्यक्ति को पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास एक थैला था और पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की, जिससे पुलिस को शक हुआ। उस व्यक्ति को दबोच लिया और तलाशी लेने पर उसके पास से करीब 2.1 किलोग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान बटपोरा निवासी रौफ अहमद हाजम के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक एक अलग अभियान में पुलिस ने बोनिजानिगम गांव में नाका स्थापित किया और जांच में दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका। दोनों ने भागने की कोशिश की लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। उनकी पहचान इरफान अहमद मीर और ओवैस अहमद भट के रूप में हुई जो हरदुलतिना गांव के रहने वाले हैं। जब उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 2.185 किलोग्राम चरस जैसी सामग्री बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों मामलों में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

राजस्थान में हजारों पंच-सरपंचों के दोबारा चुनाव लड़ने पर लग सकती है रोक

जयपुर। पिछले पंचायत चुनाव में खर्चे का ब्योरा नहीं देने वाले पंच-सरपंचों के दोबारा चुनाव लड़ने पर रोक लग सकती है। राज्य चुनाव आयोग ऐसे उम्मीदवारों की सूची मंगाने के लिए जिला कलेक्टरों के दिशा-निर्देश जारी कर सकता है। आयोग के नियमों के मुताबिक चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों को खर्च का विवरण देना जरुरी है। ऐसा नहीं करने पर तीन साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लग सकती है। प्रदेश में मार्च-अप्रैल में पंचायती राज चुनाव होना हैं। हाल ही में आयोग ने चुनावी खर्च सीमा भी बढ़ा दी है। बता दें साल 2020 में 21 जिलों की 636 जिला परिषद सदस्यों व 4371 पंचायत समिति सदस्यों के लिए चुनाव कराए गए थे। पंचायत समिति सदस्य के लिए 12,663 व जिला परिषद सदस्य के लिए 1778 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। राज्य चुनाव आयोग के सूत्र बताते हैं कि उस चुनाव में जिन उम्मीदवारों ने रिजल्ट आने के बाद खर्च का ब्योरा नहीं दिया है, उनकी सूची तैयार की जाएगी। नियमानुसार जिला परिषद, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया, सरपंच, पंच और वार्ड सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ने वाले हर प्रत्याशियों को रिजल्ट जारी होने के 15 दिनों के अंदर अपने खर्च का विवरण आयोग को देना होता है। अनुमान है कि हजारों उम्मीदवारों ने यह ब्योरा नहीं दिया। अब आयोग जिला निर्वाचन अधिकारियों को जल्द ही ऐसे उम्मीदवारों की सूची तैयार करने के लिए आदेश जारी कर सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी यह सूची आयोग को भेजेंगे। इसके बाद चुनाव आयोग ही यह तय करेगा कि चुनावी खर्च नहीं बताने वालों पर क्या कार्रवाई की जाए। नियमानुसार आयोग तीन साल तक चुनाव लड़ने की पाबंदी लगा सकता है।

अब गैर क्रिएटिव लोग फैसले ले रहे हैं यह सांप्रदायिक बात भी हो सकती है

मुंबई। ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान के बॉलीवुड में पिछले आठ सालों से कम काम मिलने के बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें कम काम मिल रहा है और यह इंडस्ट्री में पावर शिफ्ट की वजह से है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इसमें सांप्रदायिक बात भी शामिल हो सकती है, हालांकि यह उनके सामने सीधे नहीं आया। रहमान ने कहा कि मैं काम की तलाश में नहीं हूं। मैं चाहता हूं कि मेरे काम की ईमानदारी से काम खुद आए। मुझे लगता है कि चीजों की तलाश में जाना एक अभिशाप जैसा है। उन्होंने बताया कि वे दक्षिण से बॉलीवुड में स्थापित होने वाले पहले संगीतकार थे और लंबे समय तक सफल रहे, लेकिन पिछले आठ सालों में स्थिति बदल गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एआर रहमान ने कहा कि अब गैर क्रिएटिव लोग फैसले ले रहे हैं और यह सांप्रदायिक बात भी हो सकती है, लेकिन मेरे सामने नहीं। मुझे कानाफूसी के जरिए पता चलता है कि आपको बुक किया गया था, लेकिन म्यूजिक कंपनी ने आगे बढ़कर अपने पांच कंपोजर हायर कर लिए।

मौनी अमावस्या लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या पर सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इस दौरान संगम तट पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं, साधु-संतों पर पुष्प वर्षा कराई। पुष्पावर्षा का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कई सौ फीट ऊंचाई से हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जा रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि तीर्थराज प्रयाग में मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर हुई पुष्पवर्षा आस्था का अभिनंदन और महान सनातन संस्कृति का वंदन है। जय मां गंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौनी अमावस्या पर रविवार सुबह 8 बजे तक 1.3 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रद्धालु आधी रात से ही गंगा और संगम घाटों पर घने कोहरे के बावजूद पहुंचने लगे थे और सुबह के शुरुआती घंटों तक सभी दिशाओं से आते रहे। इससे पहले मकर संक्रांति पर करीब 1.03 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई थी, जबकि

एकादशी पर करीब 85 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया था। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि तीर्थयात्रियों को सही रास्ता दिखाने में मदद करने के लिए मेला क्षेत्र में खंभों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए हैं, जबकि श्रद्धालुओं को गाइड करने के लिए सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर में फैला हुआ है और इसे सात सेक्टरों में बांटा गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से ज़्यादा शौचालय हैं और साफ-सफाई बनाए रखने के लिए 3500 से ज़्यादा सफाई कर्मचारी तैनात हैं। कम समय के लिए कल्पवास करने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए एक टेंट सिटी बनाई गई है। जिसमें ध्यान और योग की सुविधाएं हैं। आवाजाही को आसान बनाने के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट जैसी सेवाएं भी दी गई हैं।

बिहार में मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर मौलाना महमूद मदनी ने लिखी सीएम नीतीश को चिट्ठी और की दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने बिहार में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ सामने आ रही कथित मॉब लिंचिंग, अपहरण और हत्या की घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है। इस संबंध में उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक विस्तृत पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ तत्काल, प्रभावी और निर्णायक कार्रवाई की मांग की है।

अपने पत्र में मौलाना मदनी ने कहा कि महात्मा बुद्ध की भूमि बिहार हमेशा से सामाजिक सौहार्द, करुणा और अहिंसा की परंपरा के लिए जानी जाती रही है, लेकिन हाल की घटनाएं राज्य की इसी ऐतिहासिक पहचान को गहरी चोट पहुंचा रही हैं। उन्होंने लिखा कि आज देश में नफरत फैलाने वाली मानसिकता को खुली छूट मिल रही है, जिसमें असामाजिक तत्वों के साथ-साथ संसद और विधानसभा तक के जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी चिंताजनक है। जब नफरत हिंसा, खून-खराबे और हत्या का रूप ले ले, तब राज्य की चुप्पी बेहद घातक साबित होती है।

मौलाना मदनी ने अपने पत्र में बिहार की कई हालिया घटनाओं का उल्लेख किया। इनमें नवादा जिले में मुस्लिम कपड़ा व्यापारी मोहम्मद अतहर हुसैन के साथ की गई बर्बरता और बाद में उनकी मौत, गोपालगंज के मठिया गांव में अहमद आज़ाद को मांस रखने के शक में बिजली के खंभे से बांधकर पीटे जाने की घटना, मधुबनी जिले के चकदहा बस्ती में मोहम्मद मुर्शिद आलम को 'बांग्लादेशी' बताकर अपहरण और यातना दिए जाने का मामला शामिल है। इसके अलावा झंझारपुर में मामूली विवाद के बाद मोहम्मद क़य्यूम की हत्या और मधेपुरा जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र के भैरवपट्टी गांव में विधवा मुस्लिम मजदूर हिना परवीन के अपहरण, कथित सामूहिक दुष्कर्म और नृशंस हत्या की घटना का भी जिक्र किया गया है। मौलाना मदनी ने विशेष रूप से हिना परवीन के मामले पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि छह मासूम बच्चों की एकमात्र संरक्षक असहाय विधवा की इस तरह निर्मम हत्या समाज की संवेदनशीलता और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यक्षमता–दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि सभी मामलों में शामिल दोषियों के खिलाफ शीघ्र, पारदर्शी और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो, पीड़ित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा, न्याय और पुनर्वास दिया जाए। संगठन ने भीड़ द्वारा कानून हाथ में लेने, सांप्रदायिक प्रोफाइलिंग और विजिलेंटिज़्म पर रोक लगाने के लिए पुलिस व जिला प्रशासन को स्पष्ट निर्देश जारी करने की भी मांग की है। इसके अलावा मौलाना मदनी ने जमीयत की स्थानीय इकाइयों से पीड़ित परिवारों, विशेषकर अनाथ बच्चों की मदद के लिए आगे आने की अपील की है।

पटना में नीट छात्रा की मौत पर सियासी घमासान, तेजस्वी बोले– यह सरकार नाबालिग बच्चियों पर ढा रही जुल्म

पटना। पटना के एक गर्ल्स हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही नाबालिग छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म के बाद हुई मौत ने बिहार की राजनीति में भूचाल ला दिया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटना को लेकर नीतीश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भ्रष्ट तंत्र और मशीनी यंत्रों से निर्मित डबल इंजन की एनडीए सरकार अत्याचारियों, भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और बलात्कारियों का विश्वसनीय उपकरण बन चुकी है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि वोट खरीदी से बनी असंवेदनशील नीतीश सरकार पूरे बिहार में नाबालिग बच्चियों, छात्राओं, बेटियों और महिलाओं पर जुल्म ढा रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता-संपोषित अत्याचारों के कारण सरकार के कर्ताधर्ता रौंगटे खड़े कर देने वाली घटनाओं पर चुप्पी साधे हुए हैं और महात्मा बनने का स्वांग रच रहे हैं। तेजस्वी ने हाल की कई आपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मधेपुरा में विधवा महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या, खगड़िया में चार वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ जघन्य सामूहिक दुष्कर्म व हत्या और पटना में जहानाबाद की नीट छात्रा के साथ दुष्कर्म व क्रूरतापूर्ण हत्या जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि सरकार निर्मम, क्रूर और अमानवीय हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन मामलों में सत्ता संरक्षित लीपापोती की जा रही है। तेजस्वी यादव ने पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पटना और खगड़िया की घटनाओं के विरोध में जब लोग सड़कों पर उतरे, तो पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर उन्हें जेल भेज दिया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com